अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 236 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 21 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

खुशखबरीः बच्चों के लिए भी आ गया कोरोना टीका

१२+ के लिए जायडस कैडिला की वैक्सीन को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरी दुनिया में अभी कोरोना से जंग खत्म नहीं हुई है। इस महामारी से जारी लड़ाई के बीच खुशखबरी भी आई है। 12 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों के लिए भी वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई है। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ़ इंडिया ने जायडस कैडिला वैक्सीन के आपातकाल इस्तेमाल की इजाजत दी है। यह दुनिया की पहली भारत में बनी कोविड-19 वैक्सीन है जो डीएनए पर आधारित है। यह वैक्सीन व्यस्कों के अलावा 12 साल से ज्यादा के उम्र के बच्चों को लगाई जाएगी।

जेडवाईसीओवी-डी कोरोना वायरस के खिलाफ दुनिया की पहली डीएनए वैक्सीन होगी जिसे किसी भारतीय कंपनी द्वारा विकसित किया गया है। इस तरह से देश में मंजूरी पाने वाली यह छठी वैक्सीन है जिसे सीरम इंस्टीट्यूट की कोविशील्ड, भारत बायोटेक की कोवैक्सीन, रूस के स्पुतनिक-वी, मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन की वैक?सीन के बाद अनुमोदित किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक जेनेरिक दवा कंपनी कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड नेके सिर्फ इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दी है। कंपनी ने बीते 1 जुलाई को आवेदन दिया था। करीब 28,0000 वॉलेन्टियर्स पर जायडस कैडिला की प्रभाव क्षमता 66.6 प्रतिशत रही। जानकारी के मुताबिक यह कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ने वाली पहली प्लाज्मा डीएनए वैक्सीन है। इसमें वायरस के जेनेटिक तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है। यह डीएनए या आरएनए को सूचना देते हैं ताकि प्रोटीन बने और इम्युन सिस्टम बढ़े।

महाराष्ट्र के बुलढाणा में भीषण हादसा, टिप्पर ट्रक पलटने से 15 मजदूरों की मौत

बुलढाणा(एजेंसी)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक भीषण रोड एक्सीडेंट में 15 मजदूरों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा समृद्धि महामार्ग पर हुआ है। लोहे की सरिया से भरे एक टिप?पर ट्रक के पलटने की वजह से यह भीषण हादसा हुआ है। इसी ट्रक में 16 मजदूर भी सवार थे। बताया जा रहा है कि तेज बारिश की वजह से सड़क पर फिसलन थी। ट्रक फिसलकर दूर खेतों में पलट गया, जिससे मजदूर नीचे दब गए। ज्यादातर मजदूर यूपी और बिहार से ताल्लुक रखने वाले बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद दुर्घटना स्थल पर ही 8 मजदूरों की मौत होने की बात सामने आई है। वहीं, घायलों को जालना के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां मौतों का आंकड़ा बढ़कर अब 15 तक पहुंच चुका है। हादसा होते ही मौके पर मजदूरों की चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू किया।

कोरोना की तीसरी लहर ने किया श्रीलंका का हाल बेहाल

पूरे देश में लगाया गया १० दिन का लॉकडाउन

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में शुक्रवार से 10 दिन का लॉकडाउन लगाया जाएगा। यह फैसला वहां पर कोरोना की तीसरी लहर के बढ़ते मामलों को देखते हुए लिया गया है। लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए डॉक्टर और बौद्ध संप्रदाय के लोग सरकार पर दबाव बनाने लगे हैं। ऐसे में श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षा ने पूरे देश में दस दिन का लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है। कोरोना से बचाव के लिए बने नेशनल ऑपरेशंस सेंटर ने कहा कि यह लॉकडाउन शुक्रवार रात 10 बजे से शुरू होगा और 30 अगस्त की भोर 4 बजे तक लागू रहेगा। श्रीलंकन आर्मी चीफ जनरल शैवेंद्र सिल्वा जो कि कोविड प्रिवेंशन सेंटर के प्रमुख भी हैं, ने कहा कि क्वारंटाइन कर्फ्यू शुक्रवार रात दस बजे से 30 अगस्त तक

लागू रहेगा। इससे पहले श्रीलंकन राष्ट्रपति देश में लॉकडाउन लगाने के पक्ष में नहीं थे। उनका कहना था कि ऐसा करने से पहले से ही बदहाल देश की अर्थव्यवस्था और ज्यादा गर्त में चली जाएगी। हालांकि बौद्धिक संप्रदाय से जुड़े लोगों और अपने सहयोगी दलों के दबाव में उन्हें यह फैसला लेने पर मजबूर होना पड़ा।

बता दें कि श्रीलंका में कोरोना से स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। गुरुवार को यहां पर रिकॉर्ड 186 लोगों ने कोरोना से अपनी जान गंवाई। वहीं देश में 3800 ताजा कोरोना के मामले सामने आए हैं। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक श्रीलंका में अभी तक 6790 लोगों की कोरोना संक्रमण से जान जा चुकी है। वहीं 373, 165 लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि राजधानी कोलंबो सहित पश्चिमी प्रांत इस महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित है। गौरतलब है कि लगातार लॉकडाउन लगाए जाने से इस देश में पर्यटन के कारोबार पर बहुत ज्यादा असर पड़ा है।

बंगाल हिंसा की जांच में एक्टिव हुई सीबीआई, डीजीपी से मांगी मर्डर और रेप के मामलों की जानकारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामलों को लेकर सीबीआई एक्टिव हो गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बंगाल चुनाव के बाद हुए रेप और मर्डर केसों की जानकारी राज्य के डीजीपी से मांगी है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि सीबीआई ने डीजीपी से हत्या, हत्या के प्रयास और रेप के दर्ज मामलों की जानकारी मांगी है। इसके तहत एजेंसी ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट्स, घटनाओं के सीक्वेंस की जानकारी, संदिग्धों और गवाहों के बयान आदि भी मांगे हैं। सीबीआई के निदेशक सुबोध कुमार जायसवाल ने मामलों की जांच के लिए 4 स्पेशल टीमों का गठन किया है। हर टीम में 7 सदस्यों को शामिल किया गया है। इन टीमों को सीबीआई के कोलकाता

स्थित स्थानीय दफ्तर के अधिकारी सपोर्ट करेंगे। इन 4 स्पेशल टीमों का हेड जॉइन डायरेक्टर्स के पद पर तैनात अनुराग, रमनीशन, विनीत विनायक और सम्पत मीणा को बनाया गया है। इस पूरी जांच की निगरानी का जिम्मा अडिशनल डायरेक्टर अजय भटनागर को सौंपा गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को ही सीबीआई और एसआईटी को बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामलों की जांच का आदेश दिया था।

मुहर्रम के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत को किया याद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आशुरा के दिन पैगंबर मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया और कहा कि उन्होंने शांति और सामाजिक समानता पर बहुत बल दिया। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, हम हजरत इमाम हुसैन के बलिदान को याद करते हैं और उनके साहस के साथ ही न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्मरण करते हैं। उन्होंने शांति और सामाजिक समानता को बहुत महत्व दिया। इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना मुहर्रम का होता है। मुहर्रम के 10वें दिन को आशुरा का दिन कहा जाता है। इसी दिन इमाम हुसैन और उनके साथी शहीद हुए थे। इस वजह से मुहर्रम का पूरा महीना गम का महीना माना जाता

है।मुहर्रम के मौके पर अपना यह संदेश देने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर परिसर में कई अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आस्था को आतंकवाद से कुचला नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह सोमनाथ मंदिर हमारे आत्मविश्वास का प्रतीक है। सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष का भी जिम्मा संभालने वाले पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर आज भी पूरी दुनिया के सामने यह आह्वान कर रहा है कि सत्य को असत्य से हराया नहीं जा सकता। आस्था को आतंक से कुचला नहीं जा सकता।उन्होंने कहा कि इस मंदिर को सैकड़ों साल के इतिहास में कितनी ही बार तोड़ा गया, मूर्तियों को खंडित किया गया। लेकिन इसे जितनी ही बार गिराया, यह उतनी ही बार खड़ा हो गया। आज सोमनाथ मंदिर सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए एक संदेश है कि तोड़ने वाली शक्तियां कुछ वक्त के लिए भले हावी हो जाएं। लेकिन उनका अस्तित्व स्थायी नहीं होता। वे ज्यादा दिनों तक मानवता को दबाकर नहीं रख सकते। यह बात जितनी तब सही थी, जब कुछ आततायी मंदिर को गिरा रहे थे। आज भी उतनी ही सही है, जब विश्व आतंकवाद से आशंकित है। हम सभी जानते हैं कि सोमनाथ मंदिर की यह भव्यता कुछ सालों की यात्रा का परिणाम नहीं है बल्कि सदियों के संघर्ष का नतीजा है।

तालिबान की वापसी से अफ्रीका में चिंता और भय

डॉयचे वेले,दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी ने दुनिया को हैरान कर दिया है. इसने अफ्रीका में इस्लामी विद्रोहों को कुचलने के लिए संघर्ष कर रहे देशों में चिंता और भय को बढ़ा दिया है.पिछले एक दशक से अधिक समय से पूर्वी और पश्चिमी अफ्रीका, साहेल और दक्षिणी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चरमपंथी समूहों की गतिविधियां बढ़ गई हैं. संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक संगठन ने कहा है कि अल-कायदा से जुड़े कई इस्लामी आतंकवादी समूह हैं जिनका संबंध तालिबान के साथ है. लंदन स्थित राजनीतिक विश्लेषक अहमद रजब का कहना है कि अल-शबाब समूह से जुड़े सोमालिया स्थित मीडिया घराने ने अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी पर खुशी जाहिर की है. इसे समर्थन के तौर पर देखा जा सकता है. रजब ने डॉयचे वेले को बताया, 'हम तालिबान और अल-शबाब के बीच के संबंध को लेकर पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि क्या ये संबंध अल-शबाब की ओर से अवसरवादी हैं या वाकई तालिबान और अल-शबाब की गतिविधियों के बीच जैविक संबंध है.' उनका कहना है कि अभी इस बारे में फैसला करना जल्दबाजी

होगी लेकिन तालिबान अपने प्रभाव को मजबूत करने के लिए अफ्रीका के चरमपंथियों के ऐसे संदेशों का मतलब निकाल सकता है. संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने अफगानिस्तान की स्थिति के बाद, पूरे अफ्रीका में तथाकथित 'इस्लामिक स्टेट' के सहयोगियों के 'खतरनाक' विस्तार की चेतावनी दी है. घाना में कोफी अन्नान इंटरनेशनल पीसकीपिंग ट्रेनिंग सेंटर में अकादमिक मामलों और अनुसंधान संकाय के निदेशक क्वासी अनिंग ने उस स्थिति को साझा किया है. अक्रा स्थित सिटी एफएम रेडियो पर अनिंग ने कहा, 'अफगानिस्तान में जिस तरह का माहौल बन रहा है, वह संभावित रूप से अफ्रीका और साहेल में हम सभी को खतरे में डाल सकता है' अफ्रीका में चरमपंथी संगठनों की मौजूदगी अल-शबाब कई वर्षों से सोमालिया की संयुक्त राष्ट्र समर्थित सरकार को गिराने और देश में सख्त शरिया कानून लागू करने के लिए लड़ रहा है।

भाजपा पर अखिलेश का तंज, बोले-उज्ज्वला का चूल्हा ठंडा पड़ गया, डबल इंजन सरकार सब्सिडी भी निगल गई

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा है कि भाजपा सरकार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने झूठ बोलने के सभी रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इस सरकार के अब चंद महीने ही शेष रह गए हैं। चलाचली की अपनी इस बेला में उन्होंने लोकतंत्र के पवित्र मंदिर सदन में भी असत्य से परहेज नहीं किया और छात्रों को एक करोड़ टेबलेट और परीक्षा भत्ता देने के साथ कई और लोकलुभावन वादे कर दिए है। अखिलेश ने कहा है कि सच्चाई यह है कि चुनाव संकल्प-पत्र में किए गए तमाम वादों को भाजपा सरकार ने पूरा नहीं किया है। मुफ्त लैपटॉप देने का वादा तक पूरा नहीं हुआ। विवेकानन्द इंटरनेट सेवा का क्या हुआ? किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। नौजवान रोजगार के लिए भटक रहा है। भाजपा भटकाने के लिए कुछ भी कर सकती है। अपने पिछले बजट का 20 प्रतिशत भी खर्च न कर पाने वाली भाजपा सरकार अनुपूरक बजट लाई है ताकि समाज के विभिन्न वर्गों को कुछ न कुछ देने का बहाना देकर भ्रमित किया जा सके। विकास के तो कहीं दर्शन ही नहीं हो रहे हैं।

तालिबान और पाक का समर्थन करने वालों को डिप्टी सीएम की चेतावनी, बोले- भारत छोड़कर अफगानिस्तान चले जाएं

हमीरपुर (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद उपजे हालातों के बीच प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि तालिबान का समर्थन करने वाले भारत छोड़कर अफगानिस्तान चले जाएं। उन्होंने कहा कि भारत में तालिबान और पाकिस्तान का गुणगान करने वालों को स्वीकार नहीं किया जाएगा, ऐसे तत्वों पर कठोर कार्रवाई होगी। हमीरपुर में 684 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने पहुंचे डिप्टी सीएम ने मीडिया से बात करते हुए दो टूक कहा, अफगानिस्तान में जो भी हालात पैदा हुए हैं, उस पर केंद्र सरकार की नजर है। सरकार वहां फंसे भारतीयों को सकुशल वापस लेकर आएगी। भारत हर परिस्थिति का सामना करने में सक्षम है। प्रदेश में कुछ नेताओं के तालिबान समर्थन संबंधित बयानों पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे व्यक्ति किसी भी दल में हों वह भारत विरोधी हैं। जिन्हें तालिबानियों का शासन पसंद है वे तुरंत भारत छोड़कर अफगानिस्तान चले जाएं।

पुलिस परेड ग्राउण्ड में शिलान्यास व लोकार्पण के दौरान डिप्टी सीएम ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए विकास विरोधी ठहराया। उन्होंने कहा कि पहले ठेकेदार और अधिकारी मिलकर विकास का पैसा खा जाते थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब माफिया के बल पर राजनीति नहीं चलेगी। योगी सरकार का माफिया और गुंडागर्दी पर प्रहार जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

स्कूल मंदिर व बस्ती के बीच खोली जा रही शराब की दुकान,महिलाओ मे आक्रोश

कोरांव। जनपद प्रयागराज कोरांव थाना बड़ोखर चौकी क्षेत्र के मानपुर गाँव मे नई सरकारी देशी शराब की दुकान स्थापित होने जा रही है। बताया जा रहा कि उक्त देशी शराब की दुकान प्राथमिक विद्यालय मानपुर व के बी एस जूनियर हाई स्कूल मानपुर व हनुमान जी का देव स्थान तथा वर्तमान ग्राम प्रधान का घर व आसपास बस्ती है ।जहाँ पर दुकान स्थापित होने से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। इसके साथ बस्ती होने से आये दिन विवाद बढ़ेगा व महिलाये शौच के लिए सुबह शाम खेत तरफ जाती है जिससे उनके साथ भी छीटा कसी होंगी साथ ही राहगीरों के साथ मे शराब के नशे मे कोई अप्रिय वारदात घटना शराबी अराजकतत्व कर सकते है। ऐसी परिस्थिति को देखते हुए उक्त दुकान को किसी सुनसान अकेले जहाँ बस्ती व विद्यालय दूर हो वहाँ पर जनहित की भलाई को देखते हुए स्थापित कराने की मांग नागरिकों ने की है।

बहन को जमीन मिलना ही गौरी शंकर के मौत का बना कारण

पिता ने दस वर्ष पूर्व बेटी के नाम कर दी थी पांच विस्वा जमीन, तभी से दोनो भाईयो मे चल रहा था विवाद

गौरी शंकर के घर जुटी भीड़ व इन्सेट में गौरी शंकर का फाइल फोटो

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाके के चक सेमरा गांव में गुरुवार के दिन गौरी शंकर की हत्या का कारण पिता द्वारा बहन को पांच विस्वा जमीन रजिस्ट्री करना ही मुख्य वजह बना। गौरी शंकर के बड़े भाई आरोपी भोला पटेल को यह नागवार गुजरा और वह बहन को दिए गए जमीन के हिस्सा के एवज में गौरी शंकर से जमीन मांग रहा था। इसी को लेकर दोनो भाईयो मे विवाद विगत वर्षों से चल रहा था। चक सेमरा गांव निवासी भोला पटेल और गौरी शंकर दो भाई और पांच बहन थे। सबसे छोटी बहन बबिता का पति उसे छोड़ दिया था। तो वह अपने माता पिता के साथ ही रहने लगी थी। पिता स्व. राम सजीवन ने अपने जीते जी गुजर बसर के लिए पांच विसवा जमीन अपने बेटी के नाम रजिस्ट्री कर दी थी।

सुनियोजित तरीके से गौरी शंकर का किया गया था हत्या

गौरी शंकर की हत्या पूर्व सुनियोजित तरीके से किया गया था। आरोपी भोला पटेल अपने दो दामाद को भी हमला करने के लिए पहले से ही अपने घर बुला लिया था।गौरी शंकर शहर में होमगार्ड था। वह रोजाना पांच बजे बाइक से अपने घर पहुंचता था। गुरुवार की शाम भी वह बाइक से जैसे ही अपने घर के सामने रास्ते में पहुंचा कि भोला सहित उसके पक्ष के कई लोग बाइक रोक लाठी डंडे और धारदार हथियार से हमला कर दिए और दौड़ा दौड़ा कर बेरहमी से पिटाई की और मरा समझ उसे छोड़ा था।

इस बात से भोला पटेल नाराज था। और अपने हिस्से का बहन को दिए जमीन का गौरी शंकर के हिस्से से जमीन मांग रहा था। इसी बात को लेकर भोला ने न्यायालय में केस भी फाइल किया था जो न्यायालय में विचाराधीन है। इसी बात को लेकर कई वर्षों से दोनो भाईयो के बीच विवाद चल रहा था। कि गुरुवार की शाम भोला पटेल ने अपने पत्नी बेटियों और बेटो सहित दो दामाद के साथ छोटे भाई गौरी शंकर के उपर लाठी और धारदार हथियार से हमला कर दिए। जिसमें गौरी शंकर व पत्नी संतोष कुमारी, बेटी विद्यावती19, भावना16, ओम सिंह 13, संजय सिंह 10 घायल हो गए जिसमे से इलाज के दौरान गौरी शंकर की मौत हो गई।

गौरी शंकर बेटी की शादी की कर रहा था तैयारी

गौरी शंकर अपनी बड़ी बेटी विद्यावती का सगाई कर चुका था और इसी वर्ष शादी करने की तैयारी कर रहा था कि उसके बड़े भाई ने उसकी हत्या कर दी। जिससे परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गौरी शंकर ही कमाने वाला था। अब बेटी की शादी कैसे होगी यह सवाल गांव वालों को भी कौंध रहा था। शक था कि मां अपने हिस्से की जमीन कहीं बेटी और भाई के नाम भी ना कर दे। भोला पटेल की बूढ़ी मां अपनी सबसे छोटी बेटी बबिता के साथ ही रहती थी। ऐसे में शक था कि मां अपने हिस्से की सारी जमीन बहन और बबिता के नाम न कर दे। इसको भी लेकर वह हमेशा परेशान रहता था। और इसी लिए अपने छोटे भाई को रास्ते से हटाने के लिए हत्या कर दी।

अंतिम विदाई नहीं दे सकी पत्नी और बेटियां

शुक्रवार के दिन गौरी शंकर का अंतिम संस्कार किया गया जिसमें गंभीर रूप से घायल अस्पताल में भर्ती उनकी पत्नी संतोष कुमारी और दोनो घायल बेटियां विद्यावती और भावना पिता को विदा भी नहीं कर सकी।

दोनों भाईयो के हिस्से में करोड़ों की है जमीन

दोनों भाईयो के हिस्से में करोड़ों की जमीन है। रीवा हाईवे पर थाने के सामने के सहित घूरपुर लालापुर मार्ग पर भी बेशकीमती जमीन है। इसके बावजूद भी हत्या के आरोपी भोला पटेल को सब्र नहीं था। और मामूली जमीन के लिए भाई की हत्या कर दी।

आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज.तीन गिरफ्तार

गौरी शंकर के हत्या के मामले में बड़े भाई भोला पटेल और भोला की पत्नी पार्वती, बेटा विकास, विवेक, बेटी रेनू, सुजाता, और रेनू और सुजाता के पतियों के खिलाफ हत्या सहित कई संगीन धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी भोला और उसके दो बेटियो को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी व सीओ भी घटना स्थल पर पहुंचे

शुक्रवार के दिन एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित व सीओ करछना राजेश कुमार यादव भी घटनास्थल पर पहुंच जाच पड़ताल कर लोगों से पूछताछ कर कड़ी कार्रवाई और जल्द गिरफ्तारी किए जाने को आश्वस्त किए।

मेजा क्षेत्र में बाढ़ से तरहार क्षेत्र के सैकड़ों किसान हुए बर्बाद

अखण्ड भारत सन्देश

बाढ़ से प्रभावित कच्चा मकान

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र में गंगा और टोंस नदी में आई बाढ़ से तरहार क्षेत्र के दो दर्जन गांवों के किसानों की खेती पूरी तरह से बर्बाद हो गई। तरहार क्षेत्र के समहन, कठौली, चौकी कछार, बगहा कछार, उपरौड़ा कछार, छतवा, बिजौरा, दुबेपुर तरहार, पकरी सेवार, परानीपुर तरहार, रैपुरा, मदरा सहित दो दर्जन गांवों के कछारी इलाके में अरहर, तिल्ली व बाजरा सहित धान की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है।

वरिष्ठ समाजसेवी ईंजीनियर नित्यानंद उपाध्याय ने कहा कि बाढ़ के बाद तरहार क्षेत्र के ज्यादातर किसानों की फसलें बर्बाद हो गई है। कठौली (जनवार) गांव के समाजसेवी किसान सिद्धांत तिवारी का कहना है कि बाढ़ ने किसानों की कमरतोड़ कर रख दिया है। शासन से मांग किया है कि तहसील कारिंदों से जांचवाद किसानों को समय से मुआवजा दिया जाय और गरीब और बेसहारो को सरकारी सुबिधा दिया जाय।

जेल सिपाही के पत्नी को दौड़ा दौड़ा कर दबंगों ने महिलाओं से पिटवाया

घूरपुर। इलाके के हरिहरपुर गांव में खेत के मेड़ के विवाद पर दबंगों ने महिलाओं से जेल सिपाही के पत्नी को जमकर पिटवाया। पीड़िता ने कई के खिलाफ थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। हरिहरपुर गांव निवासी राम लाल आदिवासी जेल सिपाही है। इन दिनों वह वह अपने ड्यूटी पर गया हुआ है। शुक्रवार के दिन सिपाही की पत्नी सरिता देवी अपने खेत में निराई करने गई थी कि गांव के एक दबंग परिवार के कई लोग मेड़ को बढ़ा लेने को लेकर सिपाही की पत्नी सरिता को गाली गालौज देने लगे। विरोध पर दबंगों ने अपने घर की दर्जनों महिलाओं को बुलाकर सरिता को दौड़ा दौड़ा कर पिटवाया जिससे वह घायल हो गई। पीड़िता किसी तरह थाने जाकर दर्जन भर आरोपी महिलाओं और पुरुषों के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि शिकायत करने के बाद जब पीड़िता अपने घर पहुंची तो उल्टे आरोपियों ने महिला को फर्जी केस में फसाने व देख लेने की धमकी दी। जिससे पीड़िता डरी सहमी हुई है।

राजीव गांधी की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी : संजय तिवारी

अखंड भारत संदेश

जय भारत महासंपर्क अभियान में शामिल कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता

प्रतापपुर। जय भारत महासंपर्क अभियान में कांग्रेसियों ने गांव-गांव जाकर भाजपा द्वारा प्रचारित झूठ का पदार्फाश करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष गंगापार सुरेश चंद यादव ने कहा आज जय भारत महा संपर्क अभियान का दूसरा दिन था आजादी के 75 वीं वर्षगांठ पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा इस अभियान का श्रीगणेश किया गया है जिसमें 75 घंटा 19 अगस्त से 21 अगस्त तक पार्टी के नेताओं कार्यकताओं द्वारा प्रत्येक न्याय पंचायत की किसी एक ग्राम सभा में प्रवास के साथ अलग-अलग दिनों में कांग्रेस का झंडा लेकर कार्यक्रम करेंगे। उसी के तहत आज प्रातः प्रभात फेरी निकाली गई और स्कूल और धार्मिक स्थलों पर श्रमदान किया गया साथ में स्वतंत्रता सेनानी परिवारों सैनिक परिवार सफाई कर्मी आशा बहू शिक्षामित्र आदि लोगों को स्मृति चिन्ह पत्र देकर उनके घर में उनको सम्मानित किया गया तथा गांव के प्रभावशाली लोगों से मुलाकात उनके घर पर जाकर किया। जन समस्याओं, महंगाई, बेरोजगारी पर भी की चर्चा और समस्याओं को नोट करके उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को बताया गया आज प्रातः से ही प्रतापपुर ब्लॉक में न्याय पंचायत स्तर पर विभिन्न गांव में कांग्रेस के नेताओं पदाधिकारियों ने प्रभात फेरी निकाला सरायममरेज न्याय पंचायत में प्रभात फेरी का नेतृत्व जिला कांग्रेस गंगापार के अध्यक्ष सुरेश चंद यादव ने किया उसके पश्चात भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी के जन्मदिवस पर उनके चित्र पर फूल और माला चढ़ाया गया।न्याय पंचायत सराय ममरेज न्याय पंचायत के गांव नेवादा बेला दलपतपुर न्याय पंचायत के दलपतपुर गांव सोरों के सिंधोरा गांव एवं न्याय पंचायत हर भानपुर के गांव सराय हरिराम पहुंचकर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के जन्म दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव संजय तिवारी ने कहा कि राजीव गांधी का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शीतला पाठक सहित न्याय पंचायत स्थित गांव की आशा बहू और अध्यापकों नागरिकों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश पांडेय, मधुसूदन पांडेय, सत्यम तिवारी, सोनू दुबे, आदर्श प्रजापति, अनुज द्विवेदी, राजेश भारतीय, उमाशंकर दुबे, त्रियुगी नारायण, हरिशंकर शुक्ला, संतलाल, प्रदीप कुमार, रामरेखा शुक्ला सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बारिश में डूबे गाँव का पानी निकलवाकर कैप्टन करन सिंह ने की मदद

अखंड भारत संदेश

बारिश का पानी निकलवाते कैप्टन करन

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र का बलिकरनपुर, दीवानगंज सरोज बस्ती लगातार हो रही बारिश के कारण डूब गया था लोगों के घरों के अंदर पानी भर गया था।आम लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया था लोगों का रहने का ठिकाना नहीं था सब ग्रामीण बेबस, परेशान, लाचार थे।किसी के माध्यम से जब यह जानकारी प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से अपनादल भाजपा प्रत्याशी कैप्टन करन सिंह को हुई तो उन्होंने तत्काल अपने प्रतिनिधि मुन्ना सिंह को भेजा और जेसीबी लगवा कर 50 मीटर नाले की खुदाई करवाया तब जाकर गाँव का इकट्ठा पानी बाहर निकला।ग्रामीणों ने करन सिंह का आभार जताया और कहा कि अगर पानी न निकलता तो बिमारी का खतरा था हमलोग परेशान थे रहने के लिए क्योंकि दोनों गाँव पूरी तरह जलमग्न हो गये थे।

बरसात के मौसम में बच्चों की सेहत पर रखें विशेष ध्यान : डा.संतोष कुमार

सहसों। बरसात के मौसम में बैक्टीरिया का आक्रमण बच्चों पर सबसे ज्यादा होता है। बच्चों को बरसात के पानी में जाने से बचाएं एवं खेलते समय कीचड़ मिट्टी एवं बाहरी खाद्य पदार्थ के सेवन से बचाएं। उक्त बातें गुरुवार को हरि ओम चिकित्सालय सहसों बाईपास स्थित निशुल्क परामर्श कैंप में बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संतोष कुमार गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा बच्चों में इस मौसम में बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा होता है। इस अवसर पर कैंप में उपस्थित डॉक्टर अमित यादव ने कहा ऐसी स्थित में बीमारियां ज्यादा बढ़ने का खतरा होता है। जैसे कि टाइफाइड, मलेरिया, डेंगू , दिमागी बुखार आदि का बहुत ज्यादा खतरा रहता है। उन्होंने इससे बचने का उपाय भी सुझाया की स्वच्छ पानी, ताजा भोजन, प्रोटीन युक्त मौसमी फल आदि का विशेष सेवन बच्चों को कराएं ताकि उक्त बीमारियों से बचा जा सके। इस अवसर पर कैम्प में प्रमुख रूप से उपस्थित शेरू केसरवानी, अनिल सिंह, शीलवंत सिंह, प्रमोद गुप्ता, मयंक तिवारी, बुल्लू यादव, विनीत शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षण संस्थान में फलदार पौध रोपण करते हुए छात्र

पौधरोपण व उनके संरक्षण की है आवश्यकता : विजय सिंह

घूरपुर। बुधवार को घूरपुर थाना क्षेत्र के जे. पी. गोदाम स्थित बी. के. मेमोरियल शैक्षिक संस्थान मे वृक्षारोपण एवम पौधे वितरित किया गया। इस अवसर पर उक्त संस्थान के प्रबंधक विजय सिंह पटेल नें बताया कि वृक्ष पर्यावरण के लिए बहुत ही जरुरी एवम महत्वपूर्ण होते हैं इसलिए जितना अधिक वृक्षारोपण एवम वृक्ष संरक्षण होगा उतना ही अधिक हमारा पर्यावरण संतुलित रहेगा। आगे उन्होंने यह भी कहा कि दिनों दिन बहुतायात मात्रा मे पेड़ काटे तो जा रहें हैं। किन्तु पौधों का रोपण नहीं किया जा रहा हैं। इससे आने वाले समय मे अनेकों संकटो का सामना करना पड़ सकता हैं। इसलिए सभी लोग वृक्षारोपण करने के साथ उनके संरक्षण के अटूट संकल्प के साथ धरातल पर कार्य करने की जरुरत हैं। साथ ही उक्त संस्थान के प्रबंधक विजय सिंह पटेल नें आगामी 23अगस्त से जूनियर स्तर तक के विद्यालयों को खोलने के फैसले का स्वागत करते हुए कोविड गाइड लाइन के तहत विद्यार्थियों को पढ़ाने का फैसला लिए इसके साथ ही उन्होंने विद्यालय मे मास्क एवम सैनीटाइजर को अनिवार्य किये हैं।। इस अवसर पर युवा समाजसेवी एवम शिक्षक कप्तान सिंह पटेल नें भी वृक्षारोपण एवम जल संरक्षण से जुड़ी अनेकों रोचक जानकारियाँ विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किये। उक्त अवसर पर साक्षी पटेल आर्या सिंह ,प्रदीप पटेल आदि लोग मौजूद रहें।

शिक्षा ही समाज का कायापलट कर सकती हैं: इमरान खान

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। शिक्षा एक ऐसा हथियार हैं जिसके बल पर समाज एवम राष्ट्र के साथ निजी व्यक्तित्व को सवारा जा सकता हैं। इसलिए समाज के सभी लोगों का दायित्व हैं कि अपने आसपास गरीब बेसहारा लोगों के बच्चों को गोद लेकर उन्हें शिक्षित करने का अटूट संकल्प लेना चाहिए। उक्त बातें अध्ययन एकेडमी के संस्थापक इमरान खान नें शुक्रवार को यमुनापार के बहुप्रतिष्ठित रानी लक्ष्मी बाई सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अभिषेक सिंह पटेल को मुहर्रम के अवसर पर 51निर्धन एवम मेधावी बेटियों को निःशुल्क बैग एवम पाठय सामग्री प्रदान करने के दौरान व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि सभी धर्मों मे सबसे श्रेष्ठ धर्म इंसानियत का होता हैं। और प्रत्येक धर्म मानव कल्याण एवम हितों का पक्षधर हैं आगे उन्होंने यह भी बोले कि विगत 10वर्षों से निरंतर प्रयागराज की पुण्यधरा पर विद्यार्थियों को उच्च तालीम देने का प्रयास कर रहें हैं और इस बात का गर्व भी हैं आज की तिथि मे हजारों की तादाद मे अध्ययन एकेडमी परिवार से पढ़ाये विद्यार्थी राष्ट्र के निर्माण मे अपना योगदान कर रहें हैं। एक प्रश्न के जवाब मे जनाब इमरान खान नें सभी लोगों से रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर बेटियों को सम्मान एवम संरक्षण प्रदान करने की भी अपील किये। उक्त अवसर पर युवा समाजसेवी युवा समाजसेवी अभिषेक सिंह पटेल नें अध्ययन एकेडमी के संस्थापक निदेशक इमरान खान के प्रति आभार प्रकट करते हुए उनके द्वारा सौपी गयी सामग्री योग्य एवम प्रतिभावान बच्चों को समर्पित करने का संकल्प लिए।

अध्ययन एकेडमी के निदेशक इमरान खान समाज सेवी अभिषेक सिंह पटेल को पुस्तक भेंट करते हुए

राखी : 474 साल बाद बन रहा अद्भुत महासंयोग

लोगों की हर इच्छाएं होंगी पूरी, इसके पूर्व 11 अगस्त 1547 को बना था ऐसा योग

आर.के.शर्मा

घूरपुर। रक्षा बंधन पर्व इस बार 22 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षा बंधन पर 474 साल बाद एक खास महासंयोग भी बन रहा है।धनिष्ठा नक्षत्र में मनेगा रक्षा बंधन का त्योहार। आमतौर पर रक्षा बंधन का त्योहार श्रवण नक्षत्र में मनाया जाता है।हालांकि इस बार यह सावन पूर्णिमा पर धनिष्ठा नक्षत्र के साथ मनाया जाएगा।

ज्योतिषियों के अनुसार इस बार राखी पर भद्रा का साया भी नहीं रहेगा। जिसके कारण बहनें पूरे दिन भाई को राखी बांध सकेंगी।इस दौरान कुंभ राशि में गुरु की चाल वक्री रहेगी और इसके साथ चंद्रमा भी वहां मौजूद रहेगा।

474 साल बाद बन रहा संयोग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस बार रक्षा बंधन पर सिंह राशि में सूर्य, मंगल और बुध ग्रह एक साथ विराजमान होंगे।सिंह राशि का स्वामी सूर्य है। इस राशि में मित्र मंगल भी उनके साथ रहेगा. जबकि शुक्र कन्या राशि में होगा। ग्रहों का ऐसा योग बेहद शुभ और फलदायी रहने वाला है। ज्योतिषियों का कहना है कि रक्षा बंधन पर ग्रहों का ऐसा दुर्लभ संयोग 474 साल बाद बन रहा है। इससे पहले 11 अगस्त 1547 को ग्रहों की ऐसी स्थिति बनी थी।ज्योतिषियों का कहना है कि इस वर्ष शुक्र बुध के स्वामित्व वाली राशि कन्या में स्थित रहेंगे।रक्षा बंधन पर ऐसा संयोग भाई-बहन के लिए अत्यंत लाभकारी और कल्याणकारी रहेगा।खरीदारी के लिए राजयोग भी बेहद शुभ माना जाता है।

भाग्यशाली बनाता है ये योग

गुरु और चंद्रमा की इस युति से रक्षा बंधन पर गजकेसरी योग बन रहा है। जब चंद्रमा और गुरु केंद्र में एक दूसरे की तरफ दृष्टि कर बैठे हों तो यह योग बनता है।यह योग लोगों को भाग्यशाली बनाता है. इससे लोगों की धन संपत्ति, मकान, वाहन जैसे सुखों की प्राप्ति होती है. गज केसरी योग बनने से राजसी सुख और समाज में मान-सम्मान की भी प्राप्ति होती है।

ये रहेगा राखी का शुभ मुहूर्त

इस बार रक्षाबंधन सुबह 5.50 से लेकर शाम 6.03 तक शुभ मुहूर्त है यानी आप इस दौरान कभी भी राखी बांध या बंधवा सकते हैं।जबकि भद्रा काल 23 अगस्त को सुबह 5 बजकर 34 मिनट से 6 बजकर 12 मिनट तक रहेगा।इस दिन शोभन योग सुबह 10 बजकर 34 मिनट तक तक रहेगा और धनिष्ठा नक्षत्र शाम 7 बजकर 40 मिनट तक रहेगा।ऐसा कहते हैं कि धनिष्ठा नक्षत्र में पैदा होने वाले लोगों का भाई-बहन से रिश्ता बहुत खास होता है।

बाजार में आकर्षक राखियां सजी दुकान लोगों में है उत्साह

सहसों। रक्षाबंधन का पवित्र पर्व जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है वैसे वैसे आभूषण व कपड़ों तथा मिठाइयों की दुकानों पर भी बिक रही हैं स्वदेशी आकर्षक राखियां। रक्षाबंधन नजदीक होने के कारण बाजार में रंग बिरंगी भारतीय राखियां बिकिनी शुरू हो गई हैं। अलग-अलग वैरायटी की राखियां बाजार में उपलब्ध हैं। 5 रुपए से लेकर 200 रुपए तक की राखियां बाजार में आ चुकी हैं कुछ स्पेशल राखियों की कीमत इससे भी ज्यादा है। आभूषण की दुकानों पर चांदी की राखियां बनाई जा रही हैं कपड़ों की दुकानों पर भी साड़ियों की बिक्री तेज होने के साथ-साथ इन दुकानदारों ने भी हर वेरायटी की राखियां रख कर बेचना शुरू कर दिए हैं। बच्चे भी अपनी पसंद के कपड़े खरीदारी कर रहे हैं। इस अवसर पर पंडित दिनेश चंद शास्त्री का कहना है कि इस रक्षाबंधन पर विशेष संयोग में मनेगा रक्षाबंधन उन्होंने बताया कि इस वर्ष 22 अगस्त को विशेष संयोग के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया जाएगा। रक्षाबंधन पर्व पर बहने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने का शुभ मुहूर्त पाएंगी। यह शुभ मुहूर्त रविवार को तिथि संवत 1 बचकर 40 मिनट दोपहर से सायंकाल 4 बजकर 15 तक रहेगी इसके साथ ही 11 घंटे की समयावधि तक रक्षाबंधन पर्व मनाया जा सकता है। रक्षाबंधन में तिलक विजय का प्रतीक माना गया है तथा दीपक सकारात्मकता का प्रतीक और अक्षत अक्षय रहने का प्रतीक है। इस पर्व पर भाई अपने बहनों को रक्षा का वचन देते हैं।

कोरांव इलाके में मच्छरों के आतंक से ग्रामीणों ने दवा छिड़काव की मांग

रत्योरा (प्रयागराज)। कोरांव तहसील क्षेत्र के कस्बा सहित ग्रामीण इलाकों में इन दिनों मच्छरों की बड़ी संख्या में आम लोगों का जीवन कठिन कर दिया है।मच्छर रात तो रात दिन में भी लोगों को आराम से सोने नही दे रहे है। ग्रामीण लोगों ने बताया कि जैसे ही बरसात होने लगती है वैसे वैसे मच्छरों के प्रकोप भी तेजी से बढ़ता जा रहे है।आर्थिक रूप से सम्पन्न व्यक्ति तो किसी तरह मच्छरों से निजात पाने के लिए अनेक संसाधनों का प्रयोग कर लेते हैं।लेकिन वही गरीब परिवार के लोगों के पास मच्छरों से बचने के लिए किसी तरह से वैज्ञानिक संसाधन उपलब्ध नहीं होने से मच्छरों से निजात नही मिल पा रही है।और न ही कोई विकल्प जिससे मच्छरों से बच सके।ग्रामीण लोगों ने बताया कि पहले के समय में शासन के द्वारा मच्छरों से राहत देने के लिए दवा का छिड़काव करवा दिया जाता था जिसके चलते उतना ज्यादा मच्छर नही लगते थे लेकिन इधर लगातार मच्छर रोधी दवाओं के छिड़काव न होने के चलते इतने अधिक मच्छर बढ़ गए है कि उनसे बच पाना हम लोगों के लिए कठिन हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि मच्छरों के आतंक से घर के बच्चों को बुखार वायरल मलेरिया ने अपना पैर पसारना शुरू कर दिया है।मच्छरों के प्रकोप से बचाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इंतजाम नहीं किये गए हैं। कोरांव क्षेत्र के टीकर देवीबाँध बड़ोखरा मैलहा बिरहा आदि गाँवो में अभी तक मच्छर रोधी कीटनाशक दवाओं का छिड़काव न होने से ग्रामीणों में नाराजगी जाहिर की है। इस बाबत रत्योरा करपिया गाँव के प्रधान शशिकांत कुशवाहा से वार्ता हुई तो उन्होंने बताया कि अभी गांव में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नही कराया गया है।उन्होंने बताया कि सीएचसी कोरांव अधीक्षक जेके सोनकर ने बताया कि ठीकेदारो के द्वारा गाँवो में कुआ नलकूप आदि जगहों पर कराया जा रहा है आपके गाँव में भी जल्द से जल्द कराया जाएगा। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकर्षित कराते हुए कीट नाशक दवाओं का छिड़काव कराने की मांग की है जिससे मच्छरों से निजात मिल सके।

खबर संक्षेप

जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह ने किया इंटर कालेज उग्रसेनपुर का औचक निरीक्षण

प्रतापपुर। जिला पंचायत अधीनस्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिला पंचायत इंटर कॉलेज उग्रसेनपुर प्रयागराज का निरीक्षण जिला पंचायत अध्यक्ष प्रयागराज कुंवर वीके सिंह द्वारा शुक्रवार को किया गया। विद्यालय में कई प्रकार की कमियां दृष्टि में आई जिसके निवारण हेतु नई नीतियां बनाई गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।जिसमें उत्कृष्ट शिक्षा, नई इमारतों का निर्माण, रंगरोगन, साफ सफाई, फर्नीचर तथा जीर्णोद्धार के लिए संबंधित अधिकारी को आदेशित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षणेत्तर कर्मचारी आदि लोग रहे।

फूलपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता,चार पहिया वाहन के साथ चार गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने किया वाहनों को बरामद

टवेरा, बोलोरो सहित चार गाड़ियों के साथ पकड़े गए आरोपी

फूलपुर। फूलपुर पुलिस व एसओजी क्राइम ब्रांच के साथ ही नारकोटिक्स की संयुक्त टीम ने गुरुवार को अंतर्राज्यीय वाहन चोरों के गिरोह के चार आरोपीयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वाहन चोरों के कब्जे से बोलोरो व टवेरा सहित चार पहिया वाले चार वाहन बरामद हुए । पकड़े गए आरोपी यूपी के जौनपुर व बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जनपद के निवासी है। इस सफलता पर एसपी के साथ ही पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों ने टीम की सराहना की। प्रभारी निरीक्षक फूलपुर राजकिशोर ने बताया की आरोपी वाहनों को चोरी करने के बाद कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के साथ ही वाहनों के नंबर प्लेट बदल देते थे। उन्होंने बताया की पुलिस अधीक्षक व एसपी गंगापार के साथ ही उच्च अधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में वांछित/वारंटी अपराधियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उसी के क्रम में गुरुवार को गस्त के दौरान इफको चौकी इंचार्ज श्रवण कुमार, उप निरीक्षक घनश्याम यादव, कांस्टेबल अर्जुन यादव,सौरभ सिंह, महिला कांस्टेबल अलका यादव, रचना कैथल व क्राइम ब्रांच के उप निरीक्षक आशीष कुमार, उपनिरीक्षक महावीर सिंह के साथ ही पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम के साथ ही अन्य हमराहियों के सहयोग से वाहन चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।आरोपियों में एजाज पठान उर्फ रिजवान निवासी नईगंज थाना कोतवाली जौनपुर, चंदन कुमार उर्फ भानू निवासी गोविन्दपुरी थाना सरैया मुजफ्फरपुर बिहार,रविश कुमार पानापुर थाना काटी मुजफ्फरपुर बिहार, अशरफ अली निवासी ग्राम बगड़ा थाना मनियारी मुजफ्फरपुर बिहार को पुलिस ने कंधरपुर नहर के पास से गुरूवार को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास व उनकी निशानदेही पर विभिन्न स्थानों से चोरी की गई दो बोलेरो, एक पिकअप व एक टवेरा बरामद हुई। फूलपुर प्रभारी निरीक्षक राजकिशोर ने बताया की आरोपियों का एक संगठित गिरोह है जो वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। बरामद वाहनों की चोरी की रिपोर्ट सम्बंधित थानों में दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत जेल भेज दिया।

विधायक विजय मिश्र पर रेप का आरोप लगाने वाली छात्रा ने लगाया उत्पीड़न का आरोप, वीडियो वायरल कर बयां किया दर्द

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। विधायक विजय मिश्र पर रेप का आरोप लगाने वाली युवती ने उत्पीड़न से तंग आकर आत्मदाह की धमकी दी है। इस संबंध उसने एक वीडियो वायरल कर बताया कि विधायक के गुंडे उसे लगातार धमकी दे रहे हैं। उसके भाई को रेप के फर्जी मुकदमे में फंसा दिया गया है।

वायरल वीडियो में युवती ने आरोप लगाया कि भदोही के ज्ञानपुर से विधायक विजय मिश्र ने न सिर्फ रेप किया बल्कि उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म भी कराया। एफआईआर दर्ज कराने के बावजूद पुलिस हीलाहवाली कर रही है। विजय मिश्रा के गुंडों ने पुलिस वालों को उसके घर भेजा। उन लोगों ने मुझे मारा पीटा और टार्चर किया। उसके भाई के ऊपर मुंबई में रेप का मुकदमा दर्ज करा दिया गया है, जबकि उसका भाई कभी मुंबई गया ही नहीं। उसे परेशान इसलिए किया जा रहा है ताकि वह परेशान होकर विधायक के ऊपर दर्ज कराए गए मुकदमे को वापस ले ले। ज्ञात है कि लड़की ने विधायक के ऊपर रेप का आरोप लगाया था। यह भी आरोप लगाया कि जिन लोगों को विधायक ने उसे घर छोड़ने के लिए भेज उन लोगों ने रास्ते में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इस संबंध में उसने गोपीगंज थाने में विधायक, उनके पुत्र और पौत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में अभी तक विधायक का पुत्र विष्णु मिश्र फरार चल रहा है। पुलिस अभी तक उसे पकड़ भी नहीं सकी है। दूसरे आरोपी ज्योति प्रकाश मिश्र उर्फ विकास को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था, लेकिन उसको भी कोर्ट से जमानत मिल गई है।

पीजीटी आंसर की पर उठे सवाल, कई प्रश्नों के सही उत्तर के दो विकल्प

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड (यूपीएसईएसएसबी) की ओर से पीजीटी की जारी की गई आंसर की के कई उत्तरों को विशेषज्ञों ने गलत बताया है। उनका दावा है कि कई सवालों में भी भ्रामक स्थिति है। कुछ तो ऐसे भी सवाल हैं, जिनके दो-दो उत्तर सही हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. प्रमोद कुमार मिश्र ने इस महत्वपूर्ण परीक्षा में इस तरह की गड़बड़ियों को हिंदी का अपमान बताया है।

प्रश्न संख्या छह में पूछा गया है कि रीतिकाल को सर्वप्रथम श्रृंगार काल नाम रखने का सुझाव किसने दिया, प्रश्न 23 निम्न में से कौन सा शब्द उत्तर का विलोम नहीं है, प्रश्न 24 ₹फूल म रै पै मरे न बासू₹ यह प्रसिद्ध उक्ति किस कवि की है। दावा है कि इसमें आयोग का उत्तर गलत है। इसी तरह प्रश्न 34 ₹ निम्नलिखित में अव्ययीय भाव समास का उदाहरण है (रातोंरात, कपड़छन, मनमाना, ठकुरसुहाती) इसमें दो विकल्प सही हैं। प्रश्न 78 एक तत्सम शब्द है (डाकिनी, तेल, न्योछावर, तर्जनी) इसमें तीन विकल्प तत्सम हैं। प्रश्न 95 संत साहित्य के संबंध में कौन सा कथन उचित नहीं प्रतीत होता है। इसमें बोर्ड का उत्तर गलत है। प्रश्न 98 शैशव के सुंदर प्रभात का मैंने नवविकास देखा। यौवन की मादक लाली में यौवन का हुलास देखा पंक्तियां किसके द्वारा लिखी गई हैं। इसमें बोर्ड का उत्तर गलत है।

इसी तरह 121 नंबर प्रश्न है, भारत के गवर्नर जनरल को पद की व्यवस्था का प्राविधान सर्वप्रथम किससे द्वारा किया गया में आयोग ने चार्टर एक्ट 1853 को सही माना है जो कि गलत है, सही उत्तर चार्टर एक्ट 1833 का दावा किया गया है। प्रश्न 73 में पूछा गया है कि न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति प्राप्त है। सही उत्तर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों दोनों को प्राप्त है जबकि आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय सही माना है। डा. प्रमोद कुमार मिश्र ने कुछ प्रश्नों को जिक्र करने के साथ अपने दावे को तथ्य के साथ सही बताया है। उनके अनुसार प्रश्न संख्या-12 में पूछा गया है कि 'छोटी हल्की गोल और किनारेदार थाली दिखाओं'- वाक्य में अपेक्षित है? साक्ष्य के साथ उनका दावा है कि इस प्रश्न का कोई भी विकल्प सही नहीं है। इसी तरह प्रश्न संख्या-17 में पूछा गया है कि 'किस वाक्य में एकवचन का प्रयोग हुआ है'? उनके मुताबिक इस प्रश्न के उत्तर में दो विकल्प सही हैं। प्रश्न संख्या-19 में उल्लिखित पंक्तियों के रचनाकार के नाम का उत्तर भी आयोग ने गलत दिया है। प्रश्न संख्या-26 में श्रीमद्गोस्वामी तुलसीदास जी की रचना का शुद्ध शीर्षक 'श्रीरामचरितमानस' है, 'रामचरितमानस' नहीं। उनका दावा है कि प्रश्न संख्या-27 के तीन उत्तर सही हैं। प्रश्न संख्या-42 में उपन्यास और उनके लेखकों के सुमेलन के क्रम में भैयादास की माड़ी-भीष्म साहनी लिखा है, जबकि भीष्म साहनी की रचना का नाम 'भैयादास की माड़ी' है, न कि 'भैयादास की माड़ी'। इस प्रकार इसमें दो उत्तर सही होने का दावा किया है।

शिव भक्तों ने किया भंडारे का आयोजन

करछना। शुक्रवार को कचरी ग्राम सभा स्थित सावन मास के अंतिम तेरस के मौके पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव भक्तों द्वारा जय भोले शंकर मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । जिसमें बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भोलेनाथ का प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे से पूर्व मंदिर मे ओम नमः शिवाय बम बम भोले का पाठ किया गया। सर्वप्रथम भंडारे का भोग मंदिर मे भोले नाथ समेत सभी देवी देवताओं को भोग लगाया गया। भंडारा के आयोजक अनुपम पटेल, बबलू विश्वकर्मा, राजकुमार पटेल के देखरेख में दोपहर 1 से शुरू हुआ जो देर शाम तक चलता रहा । भंडारे के साथ ही साउंड पर बज रहे भोलेनाथ के भजन व भोले भंडारी की जय जयकार की धुन पर सभी भक्त थिरकते नजर आए । प्रसाद में पूडी हलवा, कचालू आज व्यंजन तैयार किया गया था । इस मौके पर भोले विश्वकर्मा, अनिल पटेल, राजेश पटेल, अविनाश पटेल, पवन सिंह, शुधान्शु पटेल, विकास आदि मौजूद रहे।

एनजीओ की आड़ में करोड़ों का फजीर्वाड़ा करने वाला गिरफ्तार, तीन राज्यों में दर्ज हैं मुकदमे

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धूमनगंज पुलिस ने तीन राज्यों में करोड़ों का फजीर्वाड़ा करने वाले 25 हजार के इनामी बल्लभ पांडेय (35) को गिरफ्तार कर लिया है। उसने बच्चों की शिक्षा के नाम पर लोगों को झांसा देकर करोड़ों रुपये जमा कराए और फिर रकम समेटकर भाग निकला। उसके खिलाफ उप्र के अलावा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपी बल्लभ पुत्र गिरीश पांडेय मूल रूप से अंतू, प्रतापगढ़ का रहने वाला है जो शहर में अल्लापुर में रहता है। 2016 में उसके खिलाफ जबलपुर की रहने वाली पूनम सौधिया ने धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि उसने मप्र के विभिन्न जिलों में परम पारस ग्राम विकास कृषि शिक्षा बेरोजगार कल्याण फाउंडेशन एनजीओ का कार्यालय खोला। वह खुद को संस्था का सचिव बताता था। उसने पिछड़े इलाकों में बच्चों को अतिरिक्त शिक्षा दिलाने के नाम पर प्रत्येक के लिए अभिभावकों से 52 रुपये वसूल किए। इस तरह करोड़ों रुपये जमा होने के बाद वह रकम समेटकर भाग निकला। आरोप यह भी है कि उसने एनजीओ के लिए काम करने वाले शिक्षकों का वेतन, कार्यालय का किराया भी नहीं दिया। धूमनगंज में मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही वह फरार चल रहा था।इसके बाद उसने छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी इसी तरह ठगी को अंजाम दिया। जिसमें उसके खिलाफ मुकदमा भी पंजीकृत हुआ। फरारी के दौरान जिला पुलिस की ओर से उस पर 25 हजार का इनाम भी घोषित किया गया। धूमनगंज इंस्पेक्टर ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उसे झलवा मार्ग रेलवे डॉट पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ महाराष्ट्र में दो, छत्तीसगढ़-मेरठ में भी एक-एक मुकदमे दर्ज हैं।

करोड़ों का फर्जी करने वाला बल्लभ पांडे

शिक्षकों को स्थायी नौकरी का देता था झांसा

एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी एनजीओ को सरकार से सहायता प्राप्त बताता था। यही नहीं बच्चों को पढ़ाने के लिए संस्था से जुड़ने वाले शिक्षकों को झांसा देता था कि कुछ समय बाद उन्हें स्थायी शिक्षक की नौकरी दिला देगा। केवल मध्य प्रदेश में ही उसने तीन हजार से ज्यादा अध्यापन केंद्र बनवाए थे जिनसे लाखों रुपये की वसूली की थी।

ताजिया उठाने को लेकर शासन की गाईड लाइन का सख्ती के साथ पालन

मोहर्रम त्यौहार पर शांति व्यवस्था में लगे रहें थाना अध्यक्ष खीरी राजेश कुमार मोर्या

इमाम बाणों पर नहीं रखी जा सकी ताजिया, पुलिस प्रशासन को लगा रखा था भाजपा सरकार ने

अखंड भारत संदेश

लोगों से पूछताछ करती पुलिस

लेडियारी। कोरोना जैसी फैली हुई महामारी के चलते नही निकला ताजिया जुलूस, हजरत ईमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाए जाने वाला मोहर्रम का त्यौहार इस वर्ष भी कोरोना से प्रभावित रहा।लेडियारी बाजार एवं खीरी, एवं मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में

मोहर्रम त्यौहार की सकुशलता को लेकर भारी मात्रा में पुलिस बल दिन भर तैनात रही।पुलिस की शक्रियता का आलम यह रहा की मोहर्रम त्यौहार शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।जानकारी के मुताबिक खीरी थाना प्रभारी के नेतृत्व में तमाम इलाकों में मुस्लिम धर्म के लोगों ने शांतिपूर्वक तरीके से शुक्रवार को मोहर्रम त्यौहार को मनाया। कोरोना जैसी फैली हुई महामारी को ध्यान में रखते हुए पुलिस के अपील की कड़ाई से पालन किया गया। और नतीजा यह रहा की छेत्र में कहीं भी ताजिया नही उठाई गई। मोहर्रम के पर्व की शांति व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एसपी यमुनापार दीक्षित ने जायजा लिया। खीरी थाना अध्यक्ष राजेश कुमार मौर्य भारी पुलिस बल के साथ छेत्र के ताजिया स्थलों का लगातार निरीक्षण करते रहे। के कार्य को देखकर जमकर सराहना की।उधर थाना प्रभारी के साथ उपनिरीक्षक मशीद खान उपनिरीक्षक बिनोद कुमार सहित तमाम पुलिस कर्मी शांति व्यवस्था को लेकर छेत्र में लगातार भ्रमण करते रहे।

मोहर्रम का त्योहार सादगी के साथ सम्पन्न

भाजपा सरकार ने ताजिया न निकालने का दिया था हुक्म

अखंड भारत संदेश

कोरांव।प्रयागराज। मोहर्रम का त्योहार सादगी और पुरनम अंदाज के साथ सरकार की मंशा के मुताबिक पूरे इलाके में मनाया गया। मोहर्रम की नौंवी 19 अगस्त की रात ताजियादारों ने इमामबाड़े पर फूल फातेहा किया कराया। सभी धर्म मजहब के अकीदत मंद लोगों में मौसम की खराबी के बावजूद किसी तरह त्योहार मनाए। लेकिन कोई खुशी नहीं देखी गई। क्योंकि प्रशासन ने ताजिया निकालने से मना किया था। वह भी ऐन त्योहार के दिन। वहीं भाजपा के कुछ जगहों कुछ एकात विधायक ने भी ताजिया निकालने की अवकात तक की बात कह दी जो मीडिया के द्वारा ही जगह वायरल भी हुआ जिसकी सभी धर्म के लोगों ने उक्त बयान की निंदा की।फिलहाल ताजियादारों ने बताया कि वहीं रक्षा बंधन के त्योहार को लेकर हर जगह कोविड गाइड लाइन का उल्लंघन हो रहा है। ही जगह बड़े बड़े आयोजन हो रहे हैं किन्तु सिर्फ मुस्लिमों के ही त्योहारों पे बड़ी पाबंदियां आयत कर दी जाती हैं। जो अनुचित है। खैर,,,। उक्त त्योहार हजरत मोहम्मद साहब के नेवासे इमाम हुसैन और उनके पूरे खानदान की शहादत के बारे में जगह जगह मजलिस वगैरह के अयोजन हुए। और फातेहा के साथ साथ काफी महिलाओं पुरुषों ने रोजे भी दो दिन से रखे थे। साथ ही हर जगह लंगर के इंतजाम किए गए थे। कई जगह ताजिया भी बन चुकी थी तो कई जगह नहीं बनी थी।

रविवार बंदी की समाप्ति की घोषणा से व्यापारी खुश, सीएम योगी का व्यापारियों ने जताया आभार

प्रयागराज। प्रदेश सरकार द्वारा रविवार का लॉक डाउन समाप्त किए जाने का प्रयागराज के व्यापारियों ने स्वागत किया है। व्यापारियों ने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का आभार जताया है। तमाम व्यापारिक संगठन के पदाधिकारियों का कहना कि पहले शनिवार और अब रविवार की बंदी को समाप्त कर दिए जाने से बाजार अच्छा चलेगा। व्यापारियों ने यह भी कहा कि वह कोविड प्रोटोकाल का पूरी तरह से पालन करेंगे।

दरअसल रक्षा बंधन, जन्माष्टमी एवं उसके बाद आने वाले तमाम त्योहारों को देखते हुए व्यापारिक संगठन लगातार सीएम, डिप्टी सीएम को पत्र भेजकर मांग कर रहे थे कि रविवार वाली साप्ताहिक बंदी समाप्त की जाए। इस दौरान व्यापारियों ने रक्षा बंधन त्योहार जो रविवार 22 अगस्त को आने वाला है उसका भी हवाला दिया था। फिलहाल सरकार द्वारा व्यापारियों की यह मांग अब मान ली गई है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अध्यक्ष महेंद्र गोयल, सिविल लाइंस उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष नीरज जायसवाल का कहना है कि पूर्व में व्यापारियों को 5 दिन की बिक्री से ही पूरे सप्ताह भर के खर्च निकालने पड़ रहे हैं ।उनके ऊपर बैंक का ब्याज, कर्मचारियों की तनख्वाह, दुकान के किराए की अतिरिक्त मार पड़ती है। रविवार को सरकारी एवं निजी कार्यालयों में छुट्टी रहती है, जिस कारण यहां काम करने वाले लोग रविवार को ही खरीददारी करना पसंद करते हैं । किंतु, बाजार बंद होने से वह ई-कॉमर्स से ऑनलाइन खरीदारी कर रहे थे। अब सीएम के आदेश के बाद ऐसा नहीं होगा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष योगेश गोयल का कहना है कि रेस्टोरेंट और होटल कारोबार को भी इससे फायदा होगा। सिविल लाइंस व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुशील खरबंदा का कहना है कि आने वाले फेस्टिवल सीजन से व्यापारियों को ढेरों उम्मीदें हैं। सीएम ने रविवार को भी बाजार खोले जाने की अनुमति दी, इसके उनका बहुत-बहुत आभार है।

कोच पीयूष दुबे बोले, संगम की माटी से मिली प्रेरणा

अखंड भारत संदेश

खिलाड़ियों में भरा जोश, ओलंपिक में मिला पदक

प्रयागराज। संगम की माटी से मिली प्रेरणा से खिलाड़ियों में जोश भरा और ओलंपिक में पदक मिला। टोक्यो ओलंपिक की शुरूआत में ही टीम की बैठक में खिलाड़ियों से कहा था कि यहां आप सिर्फ नाम के आगे ओलंपियन लिखाने नहीं आए हैं। ओलंपियन तो कई रहें हैं। इसे कोई याद नहीं रखेगा। मेडल मिला तो इतिहास में दर्ज होगा नाम। आपको सिर्फ मेडल दिखे, इससे कम कुछ भी नहीं। मेडल मिल गया तो आपका हर वो सपना पूरा होगा, जो अभी तक आपने देखा था। इसलिए आप अर्जुन की तरह सिर्फ मछली की आंख पर नजर रखें। यह कहना था टोक्यो ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम के सहायक कोच पीयूष दुबे का। सरकार की खेलो इंडिया योजना बहुत अच्छी है। यह खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचान कर उनकों तराशेगी। इससे निश्चित तौर पर हम कह सकते हैं कि खेलों का भविष्य उज्ज्वल है। पहले साई और फेडरेशन अलग-अलग काम करते थे। अब इनके बीच समन्वय बनाया गया है। सरकार भी खेलों पर विशेष ध्यान दे रही है।खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बस उन्हें बेहतर संसाधन और उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इसके लिए सिर्फ सरकार को ही दोष देना ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज आते समय रायबरेली में खेल अफसरों ने कहा कि हम भी सम्मान करेंगे। बातचीत के दौरान पता चला कि वहां टर्फ है, लेकिन किट और अन्य संसाधन का अभाव है। ऐसे में वहां मौजूद लोग आगे आए। लोगों ने कहा खिलाड़ियों के नाश्ता का प्रबंध हम करेंगे। व्यापारी और इंजीनियर वर्ग के लोगों ने कहा कि किट हम उपलब्ध कराएंगे। इसलिए समाज का जाग्रत होना बहुत जरूरी है।

जीत में 16 नहीं 33 खिलाड़ियों का योगदान

कोच पीयूष दुबे ने कहा कि इस जीत में सिर्फ 16 खिलाड़ियों का योगदान नहीं है, इसमें 33 खिलाड़ियों का योगदान है। ये वो खिलाड़ी रहे जो ओलंपिक टीम में चयनित होने के प्रबल दावेदार रहे। लेकिन चयन नहीं हुआ। उनका ही योगदान रहा कि चुने गए खिलाड़ियों को इसके लिए कड़ी मेहनत और इस काबिल बनने के लिए मजबूर किया। उनके योगदान को भूला नहीं जा सकता है। टीम चयन के बाद मीटिंग में यह बात रखी गई थी कि टीम जीती तो भले ही मेडल 16 में आएगा लेकिन जाएगा 33 खिलाड़ियों में। जो खिलाड़ी टीम में चयन से वंचित रहे वो भी समय-समय पर वीडियो कॉलिंग और बातचीत के जरिए टीम का हौसला बढ़ाते रहे।

भारतीय हॉकी टीम के कोच पीयूष दूबे

पीएम की कॉल पर टूटा ड्रेसिंग रूम का सन्नाटा

कोच पीयूष दुबे ने बताया कि सेमीफाइनल में हार के बाद टीम ड्रेसिंग रूम में थी। सभी उदास थे। मीटिंग होनी थी लेकिन सब चुप थे। वो शब्द नहीं थे। जिससे हम आगे की रणनीति पर चर्चा शुरू कर सकें। तभी एक सदस्य ने आकर कहा कि पीएम मोदी आप से बात करना चाहते हैं। उस समय साफ सुन नहीं सका। जब दोबारा कॉल आई तो पता चला कि पीएम मोदी बात करेंगे। तब मैने स्पीकर ऑन कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें आप सब पर पूरा भरोसा है। आप पदक जीतोगे। पीएम के इस संबोधन ने हमें नई ऊर्जा दी और ड्रेसिंग रूम की चुप्पी टूटी। तब कप्तान ने बोलना शुरू किया और खिलाड़ियों को अपने शब्दों से जोश और जीतने का विश्वास पैदा किया। आखिरकार हम पदक जीते।

बेकाबू इंडिका कार सब्जी मंडी के अंदर घुसी तीन घायल मचा अफरा तफरी

घूरपुर। इलाके के सारंगापुर के शुक्रवार के सायंकाल साप्ताहिक सब्जी मंडी में एक बेकाबू इंडिका कार सब्जी मंडी के अंदर घुस गई जिससे भगदड़ मच गई। इंडिका के चपेट में आने से एक घायल हो गया और तीन बाइक व दस दुकानदारों की सब्जी रौंदने से क्षतिग्रस्त हो गई। शुक्रवार के शाम सारंगापुर मे साप्ताहिक सब्जी मंडी लगी थी। जहां पर दर्जनों सब्जी की दुकानें थीं। तो वहीं खरीददारो की भीड़ भी खचाखच भरी थी। उसी समय घूरपुर की तरफ से शहर की ओर जा रही एक बेकाबू इंडिका कार ने तीन खड़े बाईको को टक्कर मारते दस सब्जी की दुकानों को रौंदते सब्जी मंडी के अंदर घुस गई। जिसमे एक सब्जी खरीददार तालुकदार भारतीय 50 वर्ष कार की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। इंडिका कार मंडी के अंदर घुसते देख अफरातफरी मच गई। लोगों ने कार चालक को घेर लिया। मौके पर पुलिस पहुंच गई जिससे चालक पिटने से बच गया। पुलिस ने घायल को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बेकाबू कार से तीन बाइक और दस दुकानदारों की सब्जियां क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने कार समेत चालक को हिरासत में ले लिया।

इलाहाबाद विवि : हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को जुमार्ना और बकाया भरने के बाद ही मिलेगी डिग्री

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के हॉस्टलो में रह रहे छात्रों को जुमार्ना भरने और बकाया जमा करने का प्रमाण देने के बाद ही डिग्री प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले दिनों हॉस्टल में रह रहे छात्रों पर प्रति माह पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था। छात्रों ने जुमार्ने की रकम जमा नहीं की है। अब इविवि प्रशासन की ओर से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं कि छात्र पहले जुमार्ना अदा करें, इसके बाद डिग्री दी जाएगी। इविवि के हॉस्टलों पर बिजली बिल के सात करोड़ 55 लाख से 23 हजार 907 रुपये बकाया हैं। कोविड के कारण इविवि प्रशासन ने हॉस्टल आवंटन की प्रक्रिया रोक रखी है, इसके बावजूद हॉस्टलों में बड़ी संख्या में छात्र रह रहे हैं। कुछ दिनों पहले इविवि प्रशासन की बैठक में निर्णय लिया गया था कि हॉस्टल न छोडने वाले छात्रों से प्रति माह पांच हजार रुपये जुमार्ना लिया जाए और इस रकम से बिजली का बिल अदा किया जाए। इस बाबत रजिस्ट्रार ने पांच अगस्त को नोटिफिकेशन भी जारी किया था।जुमार्ना एवं अन्य बकाया जमा न करने पर डीएसडब्ल्यू और हॉस्टल अधीक्षकों की ओर से छात्रों के नाम की सूची परीक्षा नियंत्रक कार्यालय को भेज दी गई है। इविवि प्रशासन की ओर से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं कि हॉस्टल में रहने वाले छात्र बकाया शीघ्र जमा करें और हॉस्टल से रसीद प्राप्त करने के बाद डीएसडब्ल्यू कार्यालय को उपलब्ध कराएं। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में सर्टिफिकेट प्राप्त होने के बाद ही संबंधित छात्रों को उनकी डिग्री प्रदान की जाएगी। इविवि की पीआरओ डॉ. जया कपूर के अनुसार परीक्षा नियंत्रक की ओर से यह निर्देश आया है कि छात्रों पर जो बकाया है, उसे जमा करके रसीद डीबएसडब्ल्यू कार्यालय में देनी होगी। इसी आधार पर परीक्षा नियंत्रक की ओर से परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी और डिग्री मिलेगी।

शांतिपूर्ण ढंग से मना जिले में मोहर्रम का त्योहार

नगर पालिका ने कर्बला व मस्जिदों के आसपास की साफ-सफाई

प्रतापगढ़। मोहर्रम की दसवीं पर कर्बला व मस्जिदों के आसपास नगर पालिका ने शुक्रवार की सुबह सफाई की और चूने का छिड़काव किया। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि अध्यक्ष प्रेमलता सिंह व ईओ मुदित सिंह के निर्देश में धर्मशाला वार्ड में सफाई के लिये नाला गैंग व नाला क्लीनिंग मशीन लगी हुई थी। मोहर्रम की छुट्टी पर भी सफाई कर्मी अपने काम में डटे रहे।

प्रतापगढ़। कोरोना संक्रमण के चलते मोहर्रम की दसवीं पर इस बार नगर में ताजिये नहीं निकले। ताजियों को इमामबाड़े में रखा गया था जहां लोगों ने फातेहा पढ़ा और दुआएं मांगी। ज्यादातर इमामबाड़ों से केवल फूल व एक-दो ताजिया ले जाकर कर्बला में दफनाया गया था। इस अवसर पर भारी पुलिस बल शहर में तैनात था। कुण्डा क्षेत्र के शेखपुर आशिक में इस बार न तो ताजिया का जुलूस निकला और न ही हनुमान मंदिर पर भण्डारा हुआ। कुल मिलाकर शांतिपूर्ण ढंग से जिले में मोहर्रम का त्योहार मनाया गया।

गिनती के कुछ ताजिये कर्बला में दफनाए गये लेकिन ताजियों का जुलूस शहर में नहीं निकला। इसके बाद गुरुवार की रात भर अली हुसैन की याद में इमामबाड़ों में फातेहा पढ़ी गई और लंगर बांटा गया। इस दौरान अल्पसंख्यकों ने देश में कोरोना महामारी की दुआएं भी मांगी। मोहर्रम की नवीं पर पुराना माल गोदाम रोड पर इमामबाड़े में ताजिया रखी गई। इस दौरान लोगों ने रात भर फातेहा पढ़ी। मोहर्रम की दसवीं पर अंजुमन आशिकाने रसूल के प्रबंधक इरशाद सिद्दीकी ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत के बारे में तकरीर की। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन इमाम हुसैन इस्लाम को बचाने के लिये अपने 72 शहीदों के साथ अपना सिर कटा दिये थे। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन के चाहने वाले इस महीने में पंजे को अलम में लगाते हैं और उस मंजर को याद दिलाते हैं। अंजुमन आशिकाने रसूल के अध्यक्ष मेराज खान ने बताया कि दसवीं पर कर्बला शरीफ में कोविड नियमों के तहत ताजियों को दफन किया गया तथा नियाज, फातेहा व सलाम पढ़ा गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष फरीद आलम, सचिव शकील अहमद, लल्लन शेख, अब्दुल हसन, शौकत अली, मो0 अशफाक, मुमताज, नौशाद, मीडिया प्रभारी बरकत अली आदि लोग मौजूद रहे।

खेती किसानी खत्म करने का पूरा प्रयास कर रही सरकारः नीरज

जय भारत महासम्पर्क अभियान के तहत सण्डा चण्डिका में लगी कांग्रेस की चैपाल

प्रतापगढ़। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव एवं प्रभारी उत्तर प्रदेश प्रियंका गांधी के निर्देश पर 75वें स्वतंत्रता दिवस के महापर्व पर तीन दिवसीय जय भारत महासम्पर्क अभियान के दूसरे दिन प्रवास के दौरान सड़वा चंडिका विकासखंड के सड़वा चण्डिका ग्रामसभा में सुबह 7 बजे से 9 बजे तक प्रभात फेरी के उपरांत माँ चण्डिका देवी धाम में सफाई अभियान चलाया गया और पूरे मन्दिर परिसर के अन्दर एवं बाहर साफ सफाई कर श्रमदान किया गया। साफ सफाई अभियान में ग्रामसभा के दर्जनों नौजवानों ने साथ दिया।

उसके उपरान्त राजीव गांधी सम्मान समारोह के अंतर्गत सड़वा चंडिका विकासखंड के सड़वा चण्डिका ग्रामसभा के नरैना गांव निवासी आशा बहू प्रीति तिवारी के आवास पर पहुँचकर अंगवस्त्रम एवं तिरंगा गमछा देकर सम्मानित किया गया एवं सड़वा चण्डिका ग्रामसभा में कार्यरत सफाईकर्मी दूधनाथ राव को अंगवस्त्रम एवं तिरंगा गमछा देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान चैपाल में यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस प्रतापगढ़ सदर विधानसभा डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ आज देश का किसान एकजुट हो गया है। देश में 70 प्रतिशत आबादी किसान भाइयों की है लेकिन सरकार खेती किसानी खत्म करने का पूरा प्रयास कर रही है। चैपाल में राम कुमार वर्मा, हीरालाल विश्वकर्मा, राम लाल वर्मा, जगतपाल वर्मा, बाबूलाल वर्मा, शिव शंकर तिवारी, मोहम्मद इसरार, हसनैन खान, अदनान खान, सरस्वती, चंद्र कली आदि लोग मौजूद रहे।

नहर में मिली युवक की लाश

रानीगंज, प्रतापगढ़। रानीगंज तहसील क्षेत्र के शारदा सहायक नहर मुआर आधारगंज फाटक पर एक युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। इस दौरान फाटक खोलकर लाश को बाहर निकाला गया। ये नहर बहकर शाहपुर से सुल्तानपुर की तरफ जाती है। इस दौरान शव की पहचान के लिये पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जर्जर विद्यालय में पढ़ने को मजबूर होगे नौनिहाल बच्चे!

परियावां, प्रतापगढ़। कोरोना काल के दौरान महीनों से बन्द पड़े स्कूल में बच्चों की किलकारी एक सितंबर से सब कुछ सही रहा तो पढ़ाई शुरू हो जाएगी, जिसके लिए प्रदेश की योगी सरकार कोरोना गाइडलाइन की रूप रेखा तैयार कर शिक्षा विभाग को देने की तैयारी कर रहे हैं। बता दें कि प्रदेश की योगी सरकार प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए कोई कसर बाकी नही छोड़ रही है। वहीं शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही से जर्जर स्कूल की बिल्डिंग कभी भी हादसे का शिकार हो सकती है। विकास क्षेत्र कालाकांकर की ग्राम पंचायत केरावडीह की प्राथमिक विद्यालय शेरवानीपुर वर्ष 2012 में बनकर तैयार हुआ। विद्यालय नौ वर्ष के अंदर जर्जर हो गया जिसके छत से कमजोर प्लास्टर गिरने लगें है। फर्श का नामोनिशान मिट गया है। ग्राम प्रधान बधई पटेल ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को शिकायत पत्र भेजकर विद्यालय की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। जर्जर विद्यालय में बच्चो के पढ़ने के दौरान कोई बड़ा हादसा होने से इनकार नही किया जा सकता।

लवाना अदलाबाद सडक पर जलजमाव

परियावां, प्रतापगढ़। प्रदेश की योगी व केंद्र की मोदी सरकार गांव की सड़क व लिंक मार्ग को मुख्य राजमार्ग से जोड़ने के लिए गाँव की सड़कों की दशा सुधारने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है तो वही दूसरी तरह लोक निर्माण विभाग की उदासीनता के चलते परियावां लवाना मार्ग के अदलाबाद गाव में सड़क ने तालाब का रूप ले लिया है। जहां सड़क पर बड़े बड़े जानलेवा गड्ढे हो गए है जिसमे हल्की सी बारिश में पानी भर जाता है, जो राहगीरो के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। अब तक दर्जनों राहगीर सड़क पर भरे पानी में गिरकर अस्पताल पहुच चुके है।

देश की तरक्की के जनक थे राजीव गांधीः डा0 लालजी त्रिपाठी

प्रतापगढ़। भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी की अध्यक्षता में मनाई गई। कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने कहा कि भारत रत्न राजीव गांधी देश की तरक्की के जनक थे। देश में पंचायती राज व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण राजीव गांधी की देन है, जिससे कि सरकारी कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आज देश जो संचार के कारण उन्नति कर रहा है।

उस संचार क्रांति के जनक राजीव गांधी थे। कार्यक्रम में जिला प्रभारी जय करन वर्मा, प्रशांत देव शुक्ला, डॉ बी0के0 सिंह ने भी अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया। जयंती में शहर अध्यक्ष इरफान अली, वेदांत तिवारी, कृष्णकांत शुक्ल, मनोज शुक्ला, विजय शुक्ला, रामू पांडेय, राजेश शुक्ला, मो0 इस्तियाक, रामधन यादव, अब्दुल रहमान, प्रवीण द्विवेदी आदि लोगो ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

राजीव गांधी जयंती पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को पूर्व जिलाध्यक्ष ने किया सम्मानित

रानीगंज, प्रतापगढ़। रानीगंज विधानसभा में शिवगढ ब्लॉक के पाण्डेय तारा न्याय पंचायत में राजीव गांधी जयंती जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में मनायी गयी जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवार को सम्मानित किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए श्री मिश्र ने कहा स्वर्गीय राजीव गांधी ने युवाओं को मताधिकार दिया। संचार क्रांति के जनक के रुप मे हम लोगों के प्रेणा श्रोत थे। उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय भी देने का काम किया जिसमें गरीबो के बच्चे को अच्छी शिक्षा मिल सके। ऐसे महानायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिसमें न्याय पंचायत अध्यक्ष दिवाकर पांडेय, रामसजीवन गुप्ता, विमल सिंह, राज बहादुर सरोज, राजपति विश्वकर्मा, राकेश सरोज, शिवशंकर पांडेय, सहदेव यादव, चिंतामणि गौतम आदि लोग उपस्थित थे।

मास्क ही कोविड से बचाव का सबसे बड़ा हथियारः डा0 घनश्याम

आरएसएस का सेवा सुरक्षा समिति का प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रतापगढ़। कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर के प्रभाव से सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा गठित सेवा सुरक्षा समिति का प्रशिक्षण अफीम कोठी सभागार में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में जिला और खंड स्तर पर गठित सेवा सुरक्षा समिति के कार्यकर्ताओं ने विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त किया। एनएमओ प्रतापगढ़ के अध्यक्ष डॉ घनश्याम अग्रवाल ने विविध चिकित्सा यंत्रों के प्रयोग द्वारा कोरॉना से सुरक्षा के उपाय बताए। मास्क को कोविड से बचाव का सबसे बड़ा हथियार बताया। आरोग्य भारती के प्रांत उपाध्यक्ष डा रंगनाथ शुक्ला ने बताया कि अपनी दिनचर्या में आहार नियम और सावधानी का पालन कर कोराना से सुरक्षित रह सकते है। जिला प्रचार प्रमुख प्रभाशंकर पाण्डेय ने योग और व्यायाम के द्वारा स्वास्थ्य रक्षा पर उद्बोधन में कहा कि हमें अपने दिनचर्या का आरंभ योग और व्यायाम द्वारा करना चाहिए, तभी हम कोरोना जैसी महामारी पर विजय प्राप्त कर सकेंगे। चिकित्सक डॉ पी पी पांडेय ने कहा कि कोरोना से रक्षा हेतु आत्मबल का जागरण आवश्यक है जिसमें आत्मबल है वह कोराना जैसी बीमारी को परास्त कर देगा। विभाग संघ चालक प्रतापगढ़ रमेश चन्द्र त्रिपाठी ने परमात्मा के रूप में धरती में विद्यमान चिकित्सकों का अभिवादन किया। क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान के प्राचार्य शिव कुमार और एन एम ओ के सचिव डॉ अजय सिंह ने भी विचार व्यक्त किये। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यवाह डॉ सौरभ पांडेय ने किया। कार्यक्रम में विभाग प्रचारक प्रतोष, अशोक शर्मा, वी के द्विवेदी, हेमंत मिश्र, प्रभात मिश्र, सुरेंद्र पाण्डेय, सर्वोत्तम पाण्डेय, आलोक सिंह, संजय तिवारी, सचिन, अजय सिंह, अमरनाथ शर्मा, शुभम तिवारी उपस्थित रहे।

संविधान से खिलवाड़ कर लोगों को फंसाया जा रहाः मोहनलाल

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर संविधान संबंधित प्रशिक्षण मीटिंग बुलाई गई जिसमें प्रदेश कार्यालय से आए हुए वक्ता मोहनलाल मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं व नेताओं को बताया कि किस तरह से सविधान का खिलवाड़ किया जा रहा और लोगों को फसाया जा रहा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार ने जो तमाम जन विरोधी कार्य किए हैं उसको भी आवाम तक कार्यकर्ताओं से पहुंचाने का कार्य किया जाए जैसे कि किसानों के साथ खिलवाड़, नौजवानों को रोजगार, महिलाओं के साथ बढ़ती अपराध, कमरतोड़ महंगाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष छविनाथ यादव व संचालन जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी जी किया।

विहिप के कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया गया अखंड भारत संकल्प दिवस

पट्टी, प्रतापगढ़। तहसील क्षेत्र के नंदईपुर, गोई गांव में शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा अखंड भारत संकल्प दिवस धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान जिला सह मंत्री विमल सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी भाइयों को जात पात से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में एकजुट होने की अपील किया। इस इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा भारत का मानचित्र बनाकर दीप प्रज्वलित करके अखंड भारत संकल्प दिवस धूम धाम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

और राष्ट्रगान के साथ भारत माता के जयकारे से क्षेत्र गूंज उठा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजकुमार सिंह, रविंद्र कुमार त्रिपाठी, संतोष जी महाराज ,उदय राज पाठक, दिनेश सिंह,चंद्रशेखर सिंह,भूपेंद्र सिंह, वरुण सिंह, विनोद सिंह, समर सिंह, संगम लाल विश्वकर्मा, मुन्ना श्रीवास्तव, राम सुमेर यादव, सोमनाथ यादव, अनिल यादव विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी कार्यकर्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एटीएम से उडाये बत्तीस हजार

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना के ककोरिहा गोड़वा निवासी केसरी कुमार शर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती उन्नींस अगस्त को दिन मे पौने ग्यारह बजे वह बैंक ऑफ बडौदा रानीगंज कैथौला के एटीएम को लेकर लालगंज शाखा के एटीएम बूथ पर गया हुआ था। पीडित का कहना है कि वह अपना एटीएम पिन जनरेट कर रहा था कि तभी पीछे खडे एक आरोपी ने उसे झांसे मे लेकर एटीएम कार्ड बदल लिया। इसके बाद आरोपी ने पीडित के एटीएम कार्ड से तीस हजार दो सौ रूपये खाते से निकाल लिया। पीडित को उसके फोन पर रूपये निकालने की जानकारी हुई तो वह आवाक रह गया। पीडित ने घटना को लेकर लालगंज कोतवाली पुलिस को तहरीर सौपी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पट्टी विधानसभा में किया गया विस्तार

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर पंचायत स्थित कार्यालय में शुक्रवार को जनसत्ता दल लोकतांत्रिक युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी ने पट्टी विधानसभा कमेटी एवं ब्लॉक कमेटी पट्टी एवं का विस्तार करते हुए आधा दर्जन युवाओं को विभिन्न पदों पर मनोनीत किया। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी ने प्रदेश अध्यक्ष विनोद सरोज एवं जिला अध्यक्ष रामअचल वर्मा की सहमति एवं संस्तुति पर आज शुक्रवार को पार्टी का विस्तार करते हुए विधानसभा कमेटी पट्टी में श्याम मौर्या को उपसचिव तथा अशोक यादव एवं शिव शंकर यादव को कार्यकारिणी सदस्य और ब्लॉक कमेटी पट्टी में विमलेश मौर्य सचिव एवं विपिन सरोज को उप सचिव के पद पर मनोनीत किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी, पट्टी विधानसभा के उपसचिव विमल तिवारी एवं ब्लॉक आसपुर देवसरा के सचिव मयंक श्रीवास्तव, युवा नेता सतीश ओझा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र प्रदान किया।

साहू समाज के निर्माण कार्य को पुलिस ने रुकवाया

प्रतापगढ़। जिले के मानिकपुर स्थित प्रसिद्ध मां ज्वाला देवी मंदिर के पास स्थित साहू समाज के प्राचीन धार्मिक धरोहर साहू जलाशय का निर्माण कार्य पुलिस द्वारा रुकवाया जाने के बाद साहू समाज की 21 सदस्यीय टीम क्षेत्रीय कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया से मुलाकात करने के लिए उनके लखनऊ स्थित आवास में पहुंची। जहां पर साहू समाज के लोगों द्वारा राजा भैया से मिलकर साहू समाज के साहू जलाशय के जीर्णोद्धार के निर्माण में आने वाली बाधाओं के बारे में अवगत कराया गया। तत्पश्चात 21 अगस्त को जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष विधायक राजा भैया व एमएलसी गोपाल मां ज्वाला देवी स्थित साधु परिसर पर पहुंचकर साहू समाज की समस्याओं का निराकरण करेंगे।

समग्र भारत के निर्माण मे राजीव गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व का योगदान अमूल्यः प्रमोद तिवारी

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर स्थित क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर संचार क्रांति के प्रणेता दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। बतौर मुख्य अतिथि सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने कहा कि राजीव गांधी ने संचार एवं कम्प्यूटर क्रांति से देश को अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर भी आर्थिक रोजगार के क्षेत्र मे स्वावलंबन प्रदान किया। अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि राजीव गांधी ने राष्ट्रीय एकता एवं सदभावना को अपना बलिदान देकर मजबूती प्रदान की। वहीं विधायक मोना ने कहा कि राजीव गांधी ने भारत के गांव को विकास योजनाओं के प्रति स्वयं की आत्मनिर्भरता सौपते हुए देश को दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान किया। कार्यक्रम का संयोजन चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी व ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज ने संयुक्त रूप से किया। संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, केडी मिश्र, पप्पू तिवारी, विकास मिश्र, महमूद आलम, छोटेलाल सरोज, प्रभात ओझा आदि मौजूद रहे।

प्रमोद व मोना ने किया बाबूजी भवन का लोकार्पण

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के धधुआ गाजन स्थित आइंस्टीन पब्लिक स्कूल मे शुक्रवार को संस्थापक अध्यक्ष पं. भगवत प्रसाद शुक्ल की तीसरी पुण्यतिथि भव्य समारोह के बीच मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य प्रमोद तिवारी ने विद्यालय परिसर मे स्थित विनायक मंदिर मे भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। वहीं प्रमोद तिवारी तथा आराधना मिश्रा मोना एवं उमेश द्विवेदी ने महामना पं. भगवत प्रसाद शुक्ल की तीसरी पुण्यतिथि की स्मृति मे नवनिर्मित बाबूजी भवन का भी लोकार्पण कर इसे मेधावियो को समर्पित किया। समारोह को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र मे मेधावियो को सर्वाधिक शक्तिशाली व सम्पन्न बनने का ज्ञान देकर ही हम भारत को दुनिया का नायक बना सकते है। बतौर विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि स्वर्गीय भागवत प्रसाद शुक्ल का कालजयी व्यक्तित्व समाज की संरचनात्मक संरचना के क्षेत्र मे सदैव अमरत्व हासिल करता रहेगा। समारोह की अध्यक्षता करते हुए शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा व संस्कार ही भारत की मुख्य ताकत है।

या हुसैन की बुलंद हुई सदाओं के बीच सुपुर्दे खाक किए गए ताजिए

नौवी मुहर्रम की रात इमाम चौकियों पर बिठाये गये थे ताजिये

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर/गोपीगंज। नगर व ग्रामीण क्षेत्र मे हवा में लहराते सब्ज परचम के दौरान बोल मोहम्मदी या हुसैन की गूंजती सदाओ के बीच शहीदाने कर्बला की याद में जगह जगह इमाम चौक पर प्रतिकात्मक रुप से रखे गए ताजिए की करबला मे सुपुर्देखाक करने की रस्म अदायगी शुक्रवार को की गई इस दौरान कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए न कोई जुलूस निकाला गया और न भीड़ नजर आयी इसके पूर्व नौवी मोहर्रम की रात इमाम चौक पर ताजियादारो द्वारा पैगम्बर.ए.इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब सल्ल के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाए जाने वाले मातमी पर्व मोहर्रम के नौवीं तारीख को प्रतिकात्मक रुप से ताजिए रखे गये । कोविड.19 के नियमानुसार गुरुवार को पूरे अकीदत व एहतराम से साथ बनाए गए छोटे ताजिये बिना किसी प्रदर्शन या बिना ढोल.ताशों के इमाम चौकियो पर देर रात रखे गए तो फातिहा के लिए लोगों व मन्नत मांगने वाली महिलाए चौक पर पहुंचने लगी। इस बार भी अधिकतर हिन्दू धार्मिक महिलाओं का हुजूम मन्नते पूरी होने पर इमाम चौकों पर एकत्र होकर मनौतियां परी होने के खुशी में आंचल फैलाकर दुआएं मांगते देखी गईं। कोविड.19 के मद्देनजर चांद की नौवीं तारीख को गोपीगंज नगर नगर के चुड़ीहारी महाल में अखाड़ा शेख सलामत खांए अखाड़ा शेख धूम खाएअखाड़ा भगवतपुरए गिराईएगहरपुरए डेरवाएकौलापुर एअमवाए लालानगर आदि स्थानों पर इमाम चौक पर पूरे अकीदत के साथ बैठा दिया गया था।

शुक्रवार को दसवीं मुहर्रम पर इमाम चौक पर रखे गए ताजिए कर्बला में दफ? कर दिए गये। सुरक्षा को लेकर पुलिस व पीएसी के जवान लगे रहें। पैगंबर.ए.इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब सल्ल के नवासे इमाम हुसैन की शहादत के याद में मनाए जाने वाले मोहर्रम की नौवीं तारीख गुरुवार की देर रात घरों के सामने बने इमाम चौकों पर ताजिये बैठाए गए। इसके बाद शुरू हुआ फातिहा ख्वानी का सिलसिला शुक्रवार 10वीं मोहर्रम को पूरे दिन चलता रहा। लोगों ने पहुंचकर फातिहा पढ़ाए मन्नतें मांगी तो या हुसैन की सदाएं बुलंद की। हालांकि कोरोना वायरस संक्रमण के दृष्टिगत जारी शासन की गाइडलाइन के पालन में कहीं भी जुलूस नहीं निकाला गया। न तो लकड़ी कला का प्रदर्शन हुआ। इमाम चौकों पर पहुंची मुस्लिम परिवार की महिलाएं मर्सियां पढ़ती रहीं। कोविड.19 को देखते हुए शासन की ओर से घरों पर ही ताजिया व अलम रखने की छूट दी गई थी। साथ ही अधिकतम 50 लोगों के ही शामिल होने की अनुमित प्रदान की गई थी। इसे देखते हुए चाहे वह ज्ञानपुर व गोपीगंज नगर रहा हो या फिर अन्य नगर व बाजार सहित ग्रामीण क्षेत्र। ताजियादारों ने अपने घरों के पास बने इमाम चौकों पर छोटे.बड़े ताजियों को बैठायाए लेकिन जुलूस आदि निकालने से पूरी तरह दूरी बनाए रखा। क्रमवार मुस्लिम परिवार के लोग पहुंचते व शारीरिक दूरी का पालन करते हुए फातिहा पढ़ते व मन्नतें मांगते रहे। उधर सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस पूरी तरह चौकन्ना व भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखे रहीं।

ट्रक की चपेट में आने से महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

चौरी। ट्रक की चपेट में आने से बाइक पर बैठी महिला की मौके पर मौत हो गयी। सूचना पर पहुची पुलिस ने अधेड़ महिला के शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि मिर्जापुर जिले के चुनार थानान्तर्गत पचरावँ निवासी मगन राम की 50 वर्षीय पत्नी लालमनी अपने बेटे अच्छेलाल के साथ बाइक से जौनपुर जिले के रामपुर में किसी से मिलने के लिए जा रही थी। गुरुवार को दोपहर में बाजार स्थित रेलवे फाटक के निकट एक बालू लदी ट्रक के चपेट में बाइक सवार आ गया। जिससे बाइक पर पीछे बैठी लालमनी देवी असन्तुलित होकर ट्रक के नीचे चली गयी। जिससे उसका सिर बुरी तरह कुचलने से मौके पर मौत हो गयी। वही बाइक सवार चालक घटना में बाल बाल बच गया। मौके पर पहुचे प्रभारी थानाध्यक्ष दया शंकर ओझा ट्रक को कब्जे में लेते हुए महिला के शव को पीएम के लिए ज्ञानपुर भेज दिया।

केंद्रीय मंत्री का भाजपा जनों ने किया स्वागत

चौरी। भदोही जिले की सीमा में प्रवेश के दौरान केंद्रीय मंत्री महेन्द्रनाथ पांडेय का कार्यकर्ताओ ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्हें 51 किलो का माला पहना कर जिन्दाबाद के नारे लगाए गए। प्रयागराज के पूर्व छात्र संघ महामंत्री रितेश तिवारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओ ने कैबिनेट मंत्री भारत सरकार महेन्द्रनाथ पांडेय का जोरदार स्वागत किया गया । चौरी बाज़ार के मुख्य तिराहा पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओ ने भदोही जिले में प्रवेश करते ही मंत्री को फूल मालाओं से लाद दिया। इस अवसर पर रितेश तिवारी की ओर से कैबिनेट मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय को 51 किलो का माला पहनाकर स्वागत किया । वही श्री पांडेय को स्वागत के दौरान श्रीमद्भागवत गीता पुस्तक भेंट में दिया। भाजपा कार्यकर्ताओ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व यशश्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारे लगाए गये। इसी तरह भदोही नगर पालिका अध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल के नेतृत्व में भी श्री पांडेय का गगनभेदी नारों के साथ स्वागत किया गया। इस मौके पर भाजपा के जिला महामंत्री सन्तोष तिवारी आशीष दुबे राजू सिह बृजेश तिवारी श्यामबिहारी पटेल राजेन्द्र सिंह समाजसेवी शिवम दुबे गौरव मिश्रा दिनेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

लोहे का सरिया उठा ले गये चोर

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के पूरे रघुनाथपुर स्टेशन रोड गोपीगंज निवासी शाश्वत सिंह के घर के सामने से 70 किलो लोहे के चार सूत की सरिया चोरों द्वारा उठा ले जाने का समाचार प्राप्त हुआ है। बताया जाता है की दिन बृहस्पतिवार की रात चोरों द्वारा 70 किलो लोहे के चार सूत की सरिया उठा ले गए। सुबह जब मालिक घर के बाहर आया तो देखा की उसकी सरिया गायब हो गई है बताया जाता है की मकान बनवाने के लिए घर के बाहर ईंट बालू सरिया रखवाया था। उसमे से चोरों द्वारा सरिया उठा ले गए। जिसकी सूचना पुलिस चौकी में कर दी गई है। आए दिन चोरियो से लोग अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे है। नगर के दीन दुखियों के आश्रम भी अब सुरक्षित नही रहे। गोपीगंज पुलिस की निष्क्रियता के चलते आए दिन नगर में चोरियों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आज सभी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे है। पहले तो चोरों की नजर धन जेवर कीमती सामानों पर रहती रही। लगातार चोरियों और उनके खुलासे नही हो पाने से चोरों के हौसले बढ़ते जा रहे है। दिन बुधवार की रात को अज्ञात चोरों द्वारा दीन दुखी आश्रम बडेशिव मंदिर से सटे कालोनी में घुसकर गरीबों दीन दुखियों के भोजन के बर्तनों पर हाथ साफ कर दिया आश्रम के संचालक डाक्टर सुधीर वर्मा ने बताया की अब उन दुखियों के भोजन को बनाने के पात्र नहीं रहा गए है। दुबारा खरीदना पड़ेगा तब उनके भोजन का इंतजाम हो पाएगा। थाने पर तहरीर दिया जिसपर चौकी इंचार्ज ने नक्शा नजरी बनाकर चले आए। तहरीर में गैस चुल्हा गैस सिलेंडर साइकिल भगोना बर्तन लोहे की सरिया लगभग 52 किलो गायब होने की तहरीर दी है।

संस्कृत भाषा से होता है चरित्र का निर्माण ः डा माया

महराजगंज विद्यालय में संस्कृत सप्ताह का आयोजन

अखंड भारत संदेश

घोसिया। क्षेत्र अन्तर्गत संस्कृत भारती काशी प्रान्त से भदोही जनपद की संयोजिका एवं प्रचार प्रमुख डॉ माया त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत भाषा से चरित्र का निर्माण होता है और चरित्र से भविष्य का निर्माण होता है। गौरतलब हो कि दिनांक 19 से 25 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन पूरे भारत वर्ष में चल रहा है। इस कार्यक्रम के दृष्टिगत वृहस्तिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज महाराजगंज में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृत भारती काशी प्रान्त से भदोही जनपद की संयोजिका एवं प्रचार प्रमुख डॉ माया त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में बालिकाओं ने श्लोकोच्चारण संस्कृतगीत निबंध अल्पना भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यालय की संस्कृत प्रवक्ता सान्त्वना सिंह ने आधुनिक परिप्रेक्ष्य में संस्कृतभाषा का महत्व विषय पर प्रकाश डाला तथा हिंदी प्रवक्ता श्रीमती संजू मौर्या ने संस्कृत को सभी भाषाओं की जननी बताते हुए जीवन में इसका बहुत बड़ा महत्व बताया।इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर माया त्रिपाठी ने संस्कृत भाषा के महत्व के साथ साथ घर घर में संस्कृतका प्रचार प्रसार किस प्रकार हो संस्कृत भाषा पुनः व्यवहारिक भाषा बन सकती है इस बात पर विशेष बल देते हुए कहा कि संस्कृत बहुत ही सरल मधुर और उत्कृष्ट भाषा है हमारे संपूर्ण जीवन का सार इसी देववाणी में निहित है। हमारे गौरवशाली परंपरा को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए पुनः विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में सक्षम है। संस्कृति की प्रवाहिका है देववाणी सिर्फ धरोहर के रूप में ना शेष रह जाए और इतिहास न बन जाए इसके लिए हम सभी को आगे बढ़कर अपने व्यवहारिक जीवन में प्रयोग में लाना होगा। संस्कृत से ही हमारी संस्कृति सुरक्षित रहेगी। जयतु संस्कृतं जयतु भारतम्। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्रीमती पंकज रानी एवं समस्त विद्यालय परिवार और छात्राएं उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर बहनों ने की खरीददारी

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। रक्षाबंधन के एक दिन पूर्व जिले के बाजारों व ग्रामीणांचलों में बहनों ने जमकर खरीददारी की। सुबह से शाम तक बाजार में महिलाएं राखी की खरीददारी करती दिखीं। राखी के साथ बहनों ने मिठाइयों की भी खरीददारी की। भाई की कलाई पर राखी बांधने तथा बहन के हाथों राखी बंधवाने का हर भाई.बहन को इंतजार होता है। रक्षाबंधन भाई.बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। रक्षाबंधन के चलते पहले से ही दुकानदारों ने रंग.बिरंगी राखियों से दुकानें सजाए रखीं। सभी बहनों ने अपने भाइयों की इच्छानुसार राखी कंगनों की खरीददारी की। दुर्गागंज तिराहे से मुख्य मार्ग वह पटेल नगर और पुरानी बाजार तक सजी राखियों की दुकानों में रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर देर शाम तक बहनों की खरीददारी चलती रही। बदले समय में युवा पीढ़ी के त्योहारों को कुछ नया रंग देने का ट्रेंड भी आम हो गया है। इसके चलते सुनारों कपड़ों तथा गिफ्ट आदिकी दुकानों में भी भाई.बहनों की खासी भीड़ रही। इधर राखियों की दुकानों में खरीददारी करने पहुंची प्रोफेसर कालोनी की रीता मोनिका शवनम ईशिता अंकिता नेहा पूजा मीनू रक्षा आदि का कहना है कि रक्षाबंधन भाई.बहन के रिश्ते को मजबूती प्रदान करता है। इन सभी बहनों के मुताबिक रक्षाबंधन को लेकर भाई की इच्छा को ध्यान में रखते हुए राखी एवं कंगन की खरीददारी की है।

रक्षा सूत्र कार्यक्रम मिला वरिष्ठ जनों का मार्गदर्शन

गोपीगंज। एकल अभियान एवं भारतीय किसान संघ के संयुक्त तत्वावधान मे रक्षा बंधन पर्व यके उपलक्ष्य मे रक्षा सूत्र कार्यक्रम का आयोजन गुरुकुलम शिक्षण संस्थान ननवगपुर जखाव मे किया गया। कार्यक्रम के अतिथि किसान संघ के प्रांत सगंठन मंत्री कुवर जी जिला प्रचारक सुरेश जी जिला संघ चालक राजेन्द्र जी एकल विद्यालय के संगठन मंत्री ज्ञानचंद समाजसेवी बशीधर उपाध्याय डाक्टर राजेश सिंह आदि का मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ। रक्षाबंधन पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत पर सुरेश जी ने सारगर्भित विचार रखे। उपस्थित सैकड़ों बहनों ने रक्षा सूत्र बाध कर आगंतुक अतिथि गण का अभिनंदन किया। समाजसेवी अनिल मिश्रा किसान संघ के जिला संयोजक हरि प्रकाश उपाध्याय जिला सचिव अजय उपाध्याय रोहित सिंह सौरभ मिश्र विजय मिश्र सुनील त्रिपाठी एकल विद्यालय की भाग प्रमुख रीता जी बालाजी सहित सैकड़ों अचार्य मातृशक्तियो को वस्त्र वितरण कर सम्मानित किया।

दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, 5.20 कुन्तल गांजा व वाहन बरामद

अखंड भारत संदेश

उंज । जिले की क्राईम ब्रांच और थाना ऊंज पुलिस की संयुक्त टीम को बीते गुरुवार 19 अगस्त को नेशनल हाईवे वाराणसी.प्रयागराज मार्ग स्थित एक ढ़ाबा के पास वाहन से भारी मात्रा में गांजा ले जाते गिरफ्तार कर लिया गया है। आज शुक्रवार को थाना परिसर ऊंज में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने बताया कि थाना ऊंज के ढ़ाबा के पास टीम ने नाकेबंदी के दौरान टाटा की आइसर डीसीएम संख्या एचआर 38 एक्स 6733 पर सवार अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनसे 5 कुंतल 20 किलो गांजा बरामद किया है। वहीं 2 हजार 500 रुपए भी मिले हैं। गांजे की कीमत बाजार में 30 लाख रुपए बताई गई है। ऊज थाना अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी के अनुसार अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह के निर्देशन में गठित टीम की ओर से स्टेट हाइवे पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही थी। इस दौरान विशाखापट्टनम उड़ीसाए की ओर से आ रही टाटा की आइसर डीसीएम को रोका। उसमें सवार यूपी के बागपत जिले थाना डोंगर के ग्राम मुर्शिदाबाद नंगल निवासी अंकित पवार पुत्र सत्यवीर सिंह व शिवनाथ निषाद पुत्र स्व0 नाहर निषाद निवासी पूरेजवर थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी से पूछताछ की तो वह घबरा गए। तलाशी लेने पर वाहन से 30 लाख रुपए मूल्य का 5 कुन्तल 20 किलो अवैध गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त शिवनाथ निषाद ने बताया कि हम लोगों का गांजा तस्करी का एक गैंग है। जिसका नेतृत्व पलटन कुमार निवासी गाजियाबाद करते हैं । खरीदारी के समय पलटन कुमार विशाखापट्टनम में मौजूद रहेए तथा पूरी खरीदारी के पश्चात गाजियाबाद चले गए। हम लोग माल लेकर गाजियाबाद पहुंचने पर संपर्क करके उनके बताए हुए स्थान पर माल पहुंचा देते कि पकड़ लिये गये। विशाखापट्टनम उड़ीसा में कम दामों पर गांजा तस्करी कर उसे प्रदेश के विभिन्न जनपदों में महंगे दामों पर बेचने का काम करते हैं। हम लोग तस्करी का कार्य अपने व अपने परिवार के साथ एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करते हैं।

मुख्य सेक्टर प्रभारी का बसपा नेताओं ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। बहुजन समाज पार्टी के मुख्य सेक्टर प्रभारी प्रयागराज एवं मिर्जापुर मंडल अशोक सिद्धार्थ एवं अमरेंद्र बहादुर का जनपद बॉर्डर पर बसपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य हरिशंकर उर्फ दादा चौहान व जिला अध्यक्ष राजेश गौतम के नेतृत्व में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से लादकर मुख्य सेक्टर प्रभारी का जोरदार स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत मुख्य सेक्टर प्रभारी श्री सिद्धार्थ ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि आप सभी लोग इसी उत्साह के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में लग जाए जिससे आने वाले समय में बहन कुमारी मायावती के नेतृत्व में एक बार फिर प्रदेश में सुशासन स्थापना के लिए बसपा की सरकार बनाई जाए।

पूर्व की बसपा सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराएं और वर्तमान की भाजपा सरकार को हटाने का आवाहन करें ज्ञात हो कि मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर स्थित समीक्षा बैठक में प्रतिभाग करने जा रहे थे कि बसपा कार्यकर्ताओं ने जनपद सीमा पूजा में स्वागत किया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश गौतम हर शंकर दादा चौहान संतोष राव रायचंद गौतम राधे श्याम बिंद राकेश चौहान सहित काफी संख्या में बसपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

देश की अर्थव्यवस्था का इंजन है ग्रामीण भारत

भदोही। कांग्रेस पार्टी द्वारा 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे जय भारत महासंपर्क अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के महासचिव जजलाल राय विधानसभा क्षेत्र भदोही के अंतर्गत ग्रामसभा संवरपुर में 21 अगस्त तक 75 घंटे के प्रवास पर है। इस दौरान संवरपुर के प्राथमिक विद्यालय के पास राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान मेरा गांव मेरा देश संवाद का आयोजन किया गया। खेती किसानी और गांव समाज पर चर्चा करते हुए श्री राय ने कहा कि मोदी योगी की सरकार में खेती किसानी खस्ताहाल और चौपट हो चुकी है। किसानों की जमीन पूजीपतियों के हवाले करने के लिए काला कानून लाया गया है। गरीब की रोटी को धन्ना सेठों की तिजोरी में बंद करने की साजिश में भाजपा देखी जा रही है। खेती किसानी के प्रति भाजपा की नीति और नियत दोनों की हानिकारक साबित हो चुकी है। छुट्टा पशुओं की समस्या में किसानों की आर्थिक कमर तोड़ दी है।

आशा बहुओ व शिक्षामित्रो का हुआ सम्मान

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। कांग्रेस पार्टी द्वारा 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे जय भारत महासंपर्क अभियान के तहत वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के उपाध्यक्ष राजेश दूबे विधानसभा क्षेत्र ज्ञानपुर अंतर्गत ग्रामसभा गनेशरायपुर में कल 19 अगस्त से 75 घंटे के प्रवास पर हैं। राजेश दुबे ने जय भारत महासंपर्क अभियान के दूसरे दिन आज 20 अगस्त को प्रातः 7 बजे स्थानीय ग्रामीणों एवं कांग्रेसजनों के साथ गनेशरायपुर निवासी पं0 गौरीशंकर उपाध्याय मुखिया के दरवाजे से प्रभात फेरी निकाल कर गांव का भ्रमण किया एवं कम अपोजिट विद्यालय गणेश रायपुर के सामने श्रमदान से शुरुआत किया उसके पश्चात राजबली तिवारी जी के आवास पर ग्राम प्रधान लल्लन प्रसाद सरोज की अध्यक्षता में आयोजित राजीव गांधी सम्मान समारोह में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर राजीव जी के विचारों पर प्रकाश डाला इस अवसर पर रसोईया आशा बहुओं शिक्षामित्रों एवं अन्य अग्रणी किसानों को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के अंतर्गत है राजेश दुबे ने उपस्थित लोगों को संविधान की शपथ भी दिलाया तत्पश्चात लंबोदर पाल के आवास पर स्नेह भोज ग्रहण और विश्राम किया । इस अवसर पर सेवा दल के अध्यक्ष राज बहादुर सिंह प्रेम शंकर पाठक रमापति पांडे जीत नारायण तिवारी कमल कुमार उपाध्याय जयराम उपाध्याय लालचंद उपाध्याय सियाराम बिंद बब्बू पाल रविंद्र पाल रामलाल पाल राम ललित यादव केशव नाथ चौबे अनिल पांडे रामाश्रय सरोज उमाशंकर सरोज रामलाल शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। नगर कांग्रेस कमेटी के नगर अध्यक्ष जानमोहम्मद के नेतृत्व में सुबह आठ बजे प्रभात फेरी भिदिउरा न्याय पंचायत लक्ष्मणपट्टी में निकाली गयी प्रभात फेरी। तत्पश्चात एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारम्भ स्व. राजीव गाधी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सुरेशचन्द उपाध्याय ने कहा कि स्व. राजीव गांधी ने पंचायतीराज की स्थापना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से गुलजारीलाल उपाध्याय, राजेश्वर दूबे, मोतीलाल मिश्र, शशि कुमार पाण्डेय, पुष्पा गौड, अनुराग श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

मास्क पहने और सामाजिक दूरी बनाएं- डा.आरबी पाठक

अखंड भारत संदेश

भदोही। कोविड.19 का खतरा टला नहीं है। आपकी लापरवाही आपके पूरे परिवार की जिंदगी दांव पर लगा सकती है। इसलिए आप मास्क पहने और सामजिक दूरी बनाएं रखें। आप खुद सुरक्षित रह कर परिवार और समाज को सुरक्षा दे सकते हैं। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही में शुक्रवार को आयोजित संभावित कोरोना की तीसरी लहर के बारे में जानकारी देते हुए खण्ड सेवा सुरक्षा समिति की जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवको को डॉ आरबी पाठक ने सम्बोधित किया। बरिष्ठ चिकित्सक पाठक ने कहा कि संक्रमित रोगी के साथ.साथ अपना व परिवार का बचाव भी आप सबको करना है। इसके साथ समाज में अपने आपको सुरक्षित रखते हुए समाज को भी सुरक्षित रखने हेतु हमें किस प्रकार की सावधानी बरतनी व दवाओं का उपयोग करना है उसकी जानकारी आपको होनी चाहिए। ऑक्सीजन उपलब्ध न होने पर किस प्रकार से जीवन को सुरक्षित रखना है इस पर भी उन्होंने जानकारी दिया। चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक राजेन्द्र जी जिला प्रचारक सुरेश जी व जनपद से 50 प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

जुल्म की इबारत

इन प्रदर्शनों को देखकर लगता है कि लोग उस दौर के जुल्म को भूले नहीं हैं और वे पिछले 20 वर्षों में मिली आजादी भी गंवाने के लिए तैयार नहीं हैं। इन विरोध प्रदर्शनों को जिस तरह से दबाने की कोशिश हुई, उसने नई और सुधरी हुई छवि के तालिबान के दावों पर भी सवालिया निशान लगा दिया। अफगानिस्तान के जलालाबाद शहर में शांतिपूर्ण विरोध करते लोगों पर तालिबान द्वारा फायरिंग की घटना विचलित करती है। इस घटना में कम से कम तीन लोगों के मारे जाने और करीब एक दर्जन के घायल होने की सूचना है। नागरिकों की ओर से तालिबान के शांतिपूर्ण विरोध की खबरें कुछ अन्य शहरों से भी मिल रही हैं। काबुल में भी कुछ महिलाओं के हाथों में पोस्टर लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का विडियो वायरल हो रहा है। ये तस्वीरें और विडियो बताते हैं कि हिंसा और दहशत का इतिहास रखने वाले तालिबान के खिलाफ वहां आवाजें उठ रही हैं और उससे यह बर्दाश्त नहीं हो रहा।

इससे यह भी पता चलता है कि तालिबान ने भले ही देश के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है, लेकिन सभी लोगों ने उसे स्वीकार नहीं किया है। इसकी वजह यह भी हो सकती है कि पिछले 20 वर्षों में अफगानिस्तान में बड़े बदलाव आए थे। समाज में खुलापन आया था। लड़कियों को काम करने और पढ़ने की आजादी मिली थी। परदे में रहने की बंदिशें नहीं थीं। इस बीच, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं बेहतर हुईं। अफगानिस्तान में 11 फीसदी लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है, जो साल 2000 में शून्य फीसदी था। इन सबके बीच प्रशासन से लोगों की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। वहीं, 1996-2001 के बीच जब तालिबान का देश पर राज था, तब अफगानिस्तान मध्ययुगीन दौर में चला गया था। औरतों पर तमाम बंदिशें थीं। पुरुषों को दाढ़ी रखनी पड़ती थी। अपराधों के लिए बीच सड़क पर सजा दी जाती थी। इन प्रदर्शनों को देखकर लगता है कि लोग उस दौर के जुल्म को भूले नहीं हैं और वे पिछले 20 वर्षों में मिली आजादी भी गंवाने के लिए तैयार नहीं हैं। इन विरोध प्रदर्शनों को जिस तरह से दबाने की कोशिश हुई, उसने नई और सुधरी हुई छवि के तालिबान के दावों पर भी सवालिया निशान लगा दिया। यूं तो राजधानी काबुल पर कब्जे के बाद तालिबान ने देश भर में आम माफी का ऐलान किया। लोगों से बेखटके सामान्य जीवन जीने की अपील की। महिलाओं को शरीयत के मुताबिक सरकार तक में हिस्सेदारी देने जैसी बातें भी कीं। लेकिन जलालाबाद की घटना से लगता है कि तालिबान बदला नहीं है, वह सिर्फ बदलने का दिखावा कर रहा है। वह भी इसलिए कि देश पर शासन करने के लिए उसे लोगों का समर्थन और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वीकृति चाहिए। जलालाबाद और अन्य शहरों में अगर तालिबान ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन होने दिया होता तो शायद उसे उसके बदलने का संकेत माना जाता। वह दुनिया को दिखा सकता था कि तालिबान असहमति का सम्मान करना जानते हैं। मगर निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग की यह घटना बताती है कि उसकी कथनी और करनी में काफी फर्क है। अभी तक के संकेत देखकर यह भी कहना मुश्किल है कि तालिबान बदल गया है।

तालिबानों की गिरफ्त में अफगानिस्तान, बना बुजकशी का मैदान

डॉ सुमन गुप्ता

तालिबानों की सरकार बनने के बाद उसे विभिन्न देशों द्वारा मान्यता देने का प्रश्न भी आयेगा। संयुक्त राष्ट्रसंघ के सामने भी यह प्रश्न विचारणीय होगा। एक देश को बर्बाद करने में जिस प्रकार सोवियत संघ और अमेरिका का योगदान रहा उससे यह देश तहस-नहस हो चुका है। बमबारी, हमलों से क्षत-विक्षत वहां के लोग कोई रास्ता स्वयं निकाल सकेंगें, यही आखिरी उम्मीद की जा सकती है। हिन्दी की प्रख्यात लेखिका नासिरा शर्मा ने नब्बे के दशक में अफगानिस्तान और पाकिस्तान की यात्रा करने के बाद दो अध्याय में एक पुस्तक लिखी थी जिसका शीर्षक था- अफगानिस्तान : बुजकशी का मैदान। यह शीर्षक उस समय भले ही अफगानिस्तान में खेले जाने वाले बुजकशी खेल का मैदान लगा हो जिसमें घुड़सवार सिर कटे बकरी के शव को एक दूसरे से छीनने की होड़ में रहते हैं और उसे जीत की लाइन के उस पार फेंककर जीत दर्ज करते हैं। लेकिन, तालिबान के काबुल फतह और अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद यह पूरी तौर पर स्पष्ट हो गया है कि किस प्रकार दो महाशक्तियों ने अफगानिस्तान को अपनी प्रयोगस्थली बनाकर न सिर्फ इस खूबसूरत, खनिज सम्पदा से भरे देश को बर्बाद करके रख दिया, ऐसे खूंरेजी हालात बना दिए जिसमें वहां के लोगों का भविष्य चौपट हो गया। आतंकवाद की जड़ें एशिया के क्षेत्र में जमाने और उसे पुष्पित पल्लवित करने का श्रेय भी इन दो महाशक्तियों के नाम ही जायेगा। जो दुनिया की दो ध्रुवीय व्यवस्था में एक दूसरे को निपटाने और एक दूसरे से आगे जाने के लिए बेकरार रहीं। दो ध्रुवीय दुनिया अब तो नहीं रही इसलिए अब इस देश के लोगों को किसी की भी चिन्ता नहीं है। अमेरिका वर्षों से यहां कब्जा जमाकर बैठा था। अमेरिका और नाटो देश के सैनिकों ने फौजें वापस बुला ली हैं। पहली मई से अमेरिकी फौजों की वापसी शुरू हुई और तालिबानों के हमले बढ़ते गए। हालात इतने बिगड़े कि अफगान सरकार को तालिबान को सत्ता में साझीदारी के लिए प्रस्ताव देना पड़ा लेकिन तालिबान ने उसे नकार दिया। अफगानिस्तान में अमेरिका ने धन और हथियार मुहैया कराये पहले सोवियत संघ की फौजों से लड़ने के लिए और बाद में जब उसे लगा कि यह लड़ाई धन और हथियार से नहीं लड़ी जा सकती है तो उसे धर्म की घुट्टी पिलाकर लड़ाया गया जो इस्लाम के नाम पर पूरी दुनिया में अपने लड़ाके भेजने लगे।

जब भारत अपने आजादी का 75वां जश्न मना रहा था तालिबान अफ गानिस्तान की राजधानी काबुल पर कब्जा कर रहा था। सबसे हैरानी की बात तो यह रही कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी जिसका दुनिया भर में डंका बजता है वह भी यह नहीं ताड़ पाई कि तालिबान देश पर कब्जा कर लेगा। अमेरिका के खुफिया एजेंसी ने पांच दिन पूर्व दुनिया को यही बताया था कि यही स्थिति रही तो तालिबान 30 दिन में काबुल पहुंच जायेगा। तीन दिन की कौन कहे तालिबान ने 34 में से 19 प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा करते हुए बहुत ही आसानी से काबुल पर कब्जा जमा लिया। काबुल पर कब्जा जमाते ही देश में जिस प्रकार की अफरातफरी मच गई है कि अफगान नागरिक समझ नहीं पा रहे हैं कि वे क्या करें। जो लोग ग्रामीण इलाकों और तालिबान के कब्जे वाले इलाकों से भागकर काबुल आये थे कि वे यहां सुरक्षित रहेंगे यह देश की राजधानी है जहां कहने को ही सही एक सरकार है उसके मुखिया हैं विभिन्न देशों के दूतावास हैं, सुरक्षित रहेंगे। खुद को बचाने का यह रास्ता भी उनका बन्द हो चुका है। देश के हालातों से बदहाल लोग दूसरे देशों में शरण के लिए परेशान हैं। ऐसी अफरा-तफरी फैली है कि देश के अन्दर कामर्शियल उड़ानें पूरी तौर पर बंद कर दी गई हैं और अमेरिका ने अपने छः हजार सैनिकों की मदद से एअरपोर्ट पर ही कब्जा जमा लिया है जहां से वह अपने नागरिकों, जिन्हें उसने तालिबान के खिलाफ लड़ाई के लिए इस्तेमाल किया था और कुछ अफगानी नागरिकों जो उनके सम्पर्कों में रहे उन्हें ही सुरक्षित देश से बाहर निकालने और दूसरे देशों में पनाह दिलाने के लिए आमजन को वहां से दूर रखा है। एअरपोर्ट पर बढ़ती भीड़ को हटाने के लिए अमेरिकी सैनिकों की गोलियां से पांच लोगों के मरने और कई के हताहत होने के खबर है। वहीं हवाई जहाज पकड़ने के लिए सीढ़ियों के रास्ते पर लोग इस कदर लदर-फदर दिखाई दे रहे हैं कि उनकी बदहवासी, बैचेनी, देश को छोड़ने की बेताबी साफ नजर आ रही है। कुछ लोग जो छिपकर हवाई जहाज के कुछ हिस्से में बैठ गए थे वे उसके उड़ते ही जमीन पर गिरते नजर आये। तालिबानी प्रवक्ता अब्दुला बरादर का कहना है कि हम तो जितना कठिन समझते थे काबुल तक पहुंचना वह तो बहुत आसान साबित हुआ, ऐसा तो हम सोच भी नहीं सकते थे। इसका सीधा अर्थ यही है कि सेना और पुलिस के लोग भी उनके सामने लड़ने के बजाय सरेंडर करते जा रहे थे। जब देश का राष्ट्रपति ही देश छोड़कर भाग जाए तो वे कर भी क्या सकते थे। यही हालात दूसरे देशों के सामने भी पैदा हो गये कि वे अफगानिस्तान को वहां के नागरिकों के भरोसे छोड़ दें वहां जो कुछ हो रहा है होने दें या फिर हस्तक्षेप करें तो किसके लिए क्योंकि पूरे देश पर तालिबान का कब्जा हो गया है। मार-काट मचाते हुए उन्होंने एक-एक करके सभी प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा करके देश की राजधानी काबुल पर भी कब्जा करके यह दिखा दिया है कि अब इस देश में हमारा राज है हमारा ही कानून चलेगा। तालिबान का क्रूर बर्बर चेहरा दुनिया ने देखा है। इस्लाम और जेहाद के नाम पर वह कुछ भी करके सही साबित करने की कोशिश करते आये हैं वह चाहे महिलाओं का जीवन हो, पत्रकार उनके विरोधी या हजारा, उज्बेक आदि जिन्हें वे अफगानी मानने से ही मना करते आये हैं और उन्हें देश छोड़कर जाने के लिए चेतावनी देते आये हैं।अमेरिका ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से वापस बुला लेगा। इसके पहले वह अफगानी सैनिकों को तालिबानों से लड़ने के लिए ट्रेनिंग देकर इस स्तर का बना देगा कि वे स्वयं उनसे मुकाबला कर सकें। विश्व के सर्वशक्तिशाली देश अमेरिका की सैन्य ट्रेनिंग धरी की धरी रह गई। कहीं, यह किसी गुप्त नीति और समझौते का हिस्सा तो नहीं है जो दुनिया के सामने नहीं आ पाया है? 9/11 के वर्ल्ड ट्रेड टावर पर हुए हमले के बाद ओसामा बिन लादेन और उसके संगठन को जिम्मेदार बताते हुए पाकिस्तान में छिपे ओसामा बिन लादेन को पकड़कर मारकर उसकी लाश को समुद्र में डुबोकर क्या अमेरिका ने मान लिया कि अब सब कुछ ठीक हो गया। जिस जिन्न को उसने पैदा किया था क्या वह बोतल में बंद रहकर खत्म हो गया या बोतल से बाहर आकर नाच रहा है। सोवियत फौजों के अफगानिस्तान में आने के साथ ही उन्हें देश से बाहर करने के लिए मुजाहिदीनों ने छापामार शैली में युद्ध छेड़ दिया था जिन्हें ट्रेनिंग पाकिस्तान एवं शरणार्थी शिविरों में दी गई। विभिन्न रिपोर्टों को देखा जाए तो मुजाहिदीनों को अमेरिका, अमेरिकी खुफिया एजेंसी के साथ ही अरब देशों, ब्रिटेन ने भी आर्थिक सहायता और हथियार, साजो सामान उपलब्ध कराये। सोवियत संघ के स्वयं धराशायी होने के प्रक्रिया के दौरान ही रूसी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोव जो ग्लासनोस्त पेरोइस्त्रका को अपनाने के साथ ही अपने ही देश के टुकड़े-टुकड़े कर बैठे। अफगानिस्तान से सोवियत सेनाओं की वापसी की प्रक्रिया 15 मई 1988 से शुरू हुई जो 1989 तक चलती रही। सोवियत फौजों के जाने के साथ ही अफगानी सरकार मुजाहिदीनों से लड़ने में अकेले पड़ गई। अफगानिस्तान की खनिज सम्पदा को लेकर अमेरिका की रुचि बनी रही। अफीम और हथियार दोनों ने मुजाहिदीनों और तालिबानों को इतनी ताकत दुनिया के कुछ खास देशों ने दी जिसका भुक्तभोगी अमेरिका भी हो गया। 2001 में जब उसके वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर चार विमानों के हाईजैक के साथ एक साथ पेंटागन और सेंटर पर हमला हुआ तो वह चैतन्य हुआ और अफगानिस्तान में आतंकवाद मिटाने के नाम पर पहुंच गया और पाकिस्तान को आर्थिक और युद्ध के साजो सामान की सहायता देता रहा। अफगानिस्तान के आतंकियों से निपटने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण केन्द्र बनाया इसके लिए पाकिस्तान की सम्प्रभुता से खिलवाड़ करके उसके यहां रह रहे ओसामा बिन लादेन को बिना पाकिस्तान की अनुमति के खींच कर मार दिया और समुद्र में डाल दिया। यही नहीं, आतंकवाद के खात्मे के नाम पर उसने पाकिस्तान में अपने ड्रोन से हमले किए। पाकिस्तान आतंकवाद के नाम पर अमेरिका से मोटी रकम और साजो सामान भी वसूलता रहा और तालिबानों को सहायता भी देता रहा। काबुल पर तालिबानों के कब्जे के बाद पाकिस्तान, चीन और ईरान ने तालिबानों को समर्थन दिया है। पाकिस्तान ने कहा है कि अफगानिस्तान में इन दिनों जो कुछ हो रहा है वह गुलामी की जंजीरों को तोड़ने जैसा है।भारत के सामने यह संकट है कि अफगानिस्तान के साथ कैसा सम्बन्ध रखे। वहीं, पाकिस्तान और चीन तालिबान का साथ देकर भारत को अलग-थलग करना चाहेंगे। तालिबान का अफगानिस्तान में सत्ता में आना इस क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी है। तालिबान, पाकिस्तान और चीन का गठजोड़ हो सकता है वहीं, मुस्लिम देशों का भी उसे समर्थन प्राप्त हो सकता है। अभी तक उसका अफगानिस्तान के साथ दोस्ताना सम्बन्ध रहा, तालिबानों की सरकार बनने के बाद उसे विभिन्न देशों द्वारा मान्यता देने का प्रश्न भी आयेगा। संयुक्त राष्ट्रसंघ के सामने भी यह प्रश्न विचारणीय होगा। एक देश को बर्बाद करने में जिस प्रकार सोवियत संघ और अमेरिका का योगदान रहा उससे यह देश तहस-नहस हो चुका है। बमबारी, हमलों से क्षत-विक्षत वहां के लोग कोई रास्ता स्वयं निकाल सकेंगें, यही आखिरी उम्मीद की जा सकती है।

भोजपुर के पहिलका बागी महाराजा फतेह साही

मुन्ना के. पाण्डेय

'अइसन वीर न सुनली काने / जाने में ना कहीं जनाइल।'- सन 1765 ई. में जब शाह आलम बिहार, बंगाल आ उड़ीसा के दीवानी अंग्रेजन के सौंप दिहलन तब सारन के कलेक्टर हुस्सेपुर (बिहार के गोपालगंज जिला) के महाराज फतेह बहादुर साही से राजस्व के मांग कइलस आ उनकरा से कंपनी के अधीनता स्वीकार करे के बात भी कहलस। फतेह बहादुर साही इ दुनु बात माने से इंकार कर दिहले। सारण प्रान्त के एह इलाका में लगभग तेईस बरस तक फतेहबहादुर साही अंग्रेजन से युद्ध करत रहले, कबो सीधे सामने डटके त कबो छापामार ढंग से। कंपनी उनकर हुस्सेपुर के किला के तबाह कर दिहलस। तब हुस्सेपुर से लगले बांकजोगिनी के जंगल में आश्रय लेके फतेह साही के विद्रोह अनवरत चलत रहल। फेर बाद में फतेह साही आज के यूपी के तमकुहीराज में आपन राज्य स्थापित करके अंग्रेज सत्ता के लगातार सफल चुनौती देत रहनी। प्रो. मैनेजर पाण्डेय लिखले बानी कि ओ समय एगो अंग्रेज लिखले रहे कि जेतना परेशानी हमनी के पेशवा से नइखे ओतना परेशान हमनी के फतेहबहादुर साही कइले बाड़न।

14 जून 1775 के ईस्ट इंडिया कंपनी के इसाक रोज, साइमन रोज, इमन ता लेफ्टिनेंट अर्सकिन द्वारा भेजल पत्र के प्रतिलिपि के हवाला से वारेन हेस्टिंग्स आ उनकर परामर्शदात्री समिति के एगो पत्र में लिखल लोग - 'ष्ठफतेहबहादुर साही हुस्सेपुर राज्य के ताल्लुकेदार हवन। उ कंपनी सरकार से विद्रोह कर बइठल बाड़न आ टैक्स देबे से स्पष्ट मना कर दिहले बाड़न। इतिहासकार रामलखन शुक्ल फतेह साही विद्रोह के भारत के कंपनी राज के खिलाफ पहिलका जन विद्रोह कहले बानी। 1781 में एह योद्धा से त्रस्त होके वारेन हेस्टिंग्स और एडवर्ड व्हीलर के हस्ताक्षर से एगो परवाना निकलल जेइमे इ जिक्र बा जे फतेह साही के पकड़वावे वाला के बीस हजार रुपया के इनाम दियाइ। महाराजा फतेह साही के पकड़े खातिर एतना बड़ रकम इनाम में मिले के घोषणा के बावजूद अंग्रेज उनकरा के ना त कबो पकड़ पइले ना हरा ही पवले। आम जनता इनाम से बेसी अपना देशभक्त राजा के साथ दिहल पसंद कइलस। इतिहास में एतना जनप्रिय राजा के उदाहरण कम बा। हालांकि महाराज के चचेरा भाई बाबू बसंत साही अपना अग्रज के विरुद्ध अंग्रेजन के साथ दिहलन, जवना कारण दंडात्मक कार्यवाही के रूप में महाराजा फतेह साही अपना भाई बसंत साही के सर कलम कर दिहलन। साथ ही, राजा अंग्रेजन के टैक्स सुपरिटेंडेंट मीर जमाल के भी हत्या कइले। एह घटना पर कुलदीप नारायण राय झड़प के 'मीर जमाल वध' खण्ड काव्य बा - 'फतेहसाही वीर लाख में/ एक अकेले लाख समान/ जइसे बाज झपट मारे/ झपटसु, डपटसु करसु प्यान'। फतेह साही के विद्रोह के एगो उदाहरण बड़ा गोपालगंज में स्थित अंग्रेजन के कैंटोनमेंट एरिया लाइन बाज़ार के हमला रहल जेइमे एगो अनुमान के हिसाब से लगभग दु सौ अंग्रेजन के हत्या भइल रहे। सीमित संसाधन आ छोट तोपखाना के साथ कंपनी के एतना बड़ नुकसान के बाद आलम ई रहे जे इलाका से सब अफसर पटना मिलिसिया भाग गइल रहलन। संन्यासी विद्रोह के सारण जनपद के इतिहास में भूमिका देखला पर हमनी के पता चलेला कि फतेह साही विद्रोह में संन्यासियन के भी सहयोग मिलल रहे। बनारस के चेत सिंह विद्रोह में भी महाराजा फतेह साही के युध्द कौशल ही सबसे प्रमुख रहल। फतेह साही के वीरता के आगे 1781 में बनारस से हेस्टिंग्स के भागे के पड़ल आ तबसे लोक में गीत प्रचलित भइल - 'घोड़ा पर हौदा, हाथी पर जीन/ भागा चुनार को वारेन हिस्टिन। आज हमनी के आजादी के अमृत महोत्सव मना रहल बानी जा बाकिर गोपालगंज के जवन आजादी के पहिलका नायक के हेतना विपुल गौरवशाली इतिहास बा ओकरा योगदान आ त्याग के भारत वर्ष ही ना उनकरा जिला तक दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से भुला दिहले बा।

कश्मीर दूर है, पहले खुद को बचाए पाक

आदित्य राज कौल

तालिबान के शीर्ष नेताओं मुल्ला बरादर और हक्कानी नेटवर्क के सिराजुद्दीन हक्कानी ने कतर एयरफोर्स के विमान से जैसे ही अफगानिस्तान की धरती पर कदम रखा, साफ हो गया कि इस देश में एक नए इस्लामी अमीरात तालिबानी शासन की शुरुआत होने वाली है। काबुल में तालिबान के डिप्टी अनस हक्कानी ने पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और दूसरे नेताओं से मुलाकात की। उन्हें उनकी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया। तालिबान के इन कदमों को अपने लिए व्यापक सहमति जुटाने के तौर पर देखा जा रहा है। वह इस बार अपनी एक ऐसी छवि दिखाना चाहता है, जो अधिक मानवीय है।

चरमपंथ बढ़ेगा : काबुल पर कब्जे के बाद से ही तालिबान अपनी एक नरम और उदार छवि पेश करने के लिए बेचैन है। ऐसी छवि, जिसके बारे में उसका दावा है कि यह पहले से बिल्कुल अलग है। तालिबान चाहता है कि लोग उस पुराने चेहरे को भूल जाएं, जब सरेआम मौत की सजा दी जाती थी, महिलाओं-लड़कियों के घर से बाहर निकलने पर मनाही थी, बुर्का जैसे शरीर का ही एक अंग बन गया था और लड़कियों को प्राथमिक शिक्षा तक की इजाजत नहीं थी।हालांकि काबुल के राष्ट्रपति भवन में तालिबान ने जो पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें संकेत दिए गए कि महिलाओं के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। सारे अधिकार मिलेंगे उन्हें, लेकिन केवल इस्लामी शरिया कानून के अनुसार। कोई भी शरिया के खिलाफ बोल या लिख नहीं सकेगा। तालिबान की नजरों में यह मुद्दा राष्ट्रीय महत्व का है। इन बयानों से तालिबान की चाल साफ होने लगती है। कुल मामला नई बोतल में पुरानी शराब जैसा है। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा आने वाले वक्त में इस मुल्क को चरमपंथ और आतंकवाद का सबसे बड़ा केंद्र बना देगा। तालिबानी शासन के साथ सुन्नी उग्रवाद को मिलेगा एक नया जीवन, जो इस्लामिक राज्य इराक और आईएसआईएस से भी बदतर होगा। तालिबान के पास हथियारों की कोई कमी नहीं है। अमेरिकी फौज अफगानिस्तान की धरती छोड़ते समय अपने पीछे हेलिकॉप्टर, विमान और आधुनिक हथियार, गोला-बारूद छोड़ गई है। एक लंबे समय तक तालिबान इनसे अपनी सुरक्षा कर सकता है। आने वाले समय का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि अमेरिका ने अफगान सेना को तीन लाख आधुनिक हथियारों से लैस किया था। अब यह सब तालिबान के हाथों में है।

तालिबान के इस उदय के साथ सवाल उठ रहा है कि क्या कोई असर जम्मू-कश्मीर पर भी पड़ेगा? या फिर तालिबान का नरम चेहरा वाकई ऐसा ही रहेगा और हमें कोई चिंता करने की जरूरत नहीं? सुन्नी उग्रवाद के उदय का अर्थ निकालें तो मुझे लगता है कि जम्मू-कश्मीर पर पर सीधे तौर पर तुरंत कोई खतरा नहीं है। हां, पाकिस्तान पड़ोस में है और उस पर असर को नकार नहीं सकते। काबुल से जम्मू-कश्मीर का रास्ता पाकिस्तान से होकर ही जाता है। अफगानिस्तान में तालिबान के आतंकी शिविरों में पाकिस्तान से ट्रेनिंग लेने वाले आतंकवादी जम्मू-कश्मीर जाने से पहले रास्ते में अपने ही घर जला सकते हैं। तालिबानी राज का असर यह होगा कि आने वाले बरसों में पाकिस्तान में सुन्नी और वहाबी चरमपंथ में इजाफा होगा। लाहौर में तहरीक-ए-लब्बैक ने महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा को तोड़ दिया। इसी से समझ सकते हैं कि चरमपंथ किस तरह उबल रहा है। एक और घटना है पाकिस्तान की, जो चरमपंथियों के उभार को बताती है। लाहौर के मिनार-ए-पाकिस्तान में टिकटॉक विडियो बनाने वाली लड़की को सरेआम निर्वस्त्र किया गया, 400 लोगों ने रेप करने की कोशिश की उससे। अफगानिस्तान में तालिबान राज का फल पाकिस्तान को मिलने लगा है। हर गुजरते दिन के साथ वहां के समाज पर इसका असर गहरा होता जाएगा। आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने की शर्त पर पाकिस्तान उनके सामने कई मांगें रखता रहा है। क्या इस बार वह तालिबान के समक्ष अपनी शर्तें रख सकेगा? इस जवाब के लिए पीछे के हालात को देखिए। दोहा वार्ता में पाकिस्तान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहीं पर तालिबान और अमेरिका के बीच समझौता हुआ। अमेरिका ने तय किया कि वह इस साल सितंबर तक अपनी फौजें वापस बुला लेगा। हालांकि इस समयसीमा के दौरान तालिबान ने कई समझौते तोड़ दिए। उसके लड़ाके एक के बाद एक राज्यों पर जबरन कब्जा करते हुए राजधानी तक पहुंच गए। काबुल में आत्मघाती हमले जारी रहे। मासूमों को निशाना बनाया जाता रहा। अगर तालिबान ने दोहा वार्ता की शर्तों के मुताबिक कदम बढ़ाए होते तो पाकिस्तान परिस्थिति का फायदा उठाने की ज्यादा अच्छी स्थिति में होता। अब अमेरिका भी पहले की तरह उस पर अधिक निर्भर नहीं रहेगा। वैसे पाकिस्तान पर्दे के पीछे से इस तालिबानी शासन में अपना उचित हिस्सा चाहता है।

तालिबान से बातचीत : अगर भारत की बात करें तो वह इस क्षेत्र की हकीकत से मुंह नहीं मोड़ सकता। अगर तालिबान के साथ बैकचैनल से बातचीत नहीं चल रही है, तो शुरू करनी होगी। भारत की एक बड़ी आबादी मुस्लिम है और तालिबान इसे नजरअंदाज नहीं करेगा। वह जम्मू-कश्मीर और भारत के दूसरे आंतरिक मामलों में टांग अड़ाने के बजाय भारत से सीधी बातचीत चाहेगा। तालिबान की आधिकारिक नीति है कि जम्मू-कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है। इसी से कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में उसके दृष्टिकोण का पता चल जाता है। यह दृष्टिकोण अब तक भारत के अनुकूल रहा है और लगता नहीं कि अफगानिस्तान में अपने शासन को मजबूत किए बिना तालिबान संघर्ष का कोई नया मोर्चा खोलेगा। हालांकि इन सबके बावजूद भारत को जम्मू-कश्मीर को लेकर सतर्क रहना होगा। हाल-फिलहाल भले नहीं, लेकिन आने वाले समय में आतंकवाद में वृद्धि देखी जा सकती है। तालिबान के उदय ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों में नई ऊर्जा भर दी है। इन संगठनों के अफगानिस्तान में आतंकी शिविर हुआ करते थे। 1990 के दशक में कश्मीर में घुसपैठ करने वाले आतंकियों को मुल्ला उमर के कैंप में ट्रेनिंग मिली होती थी। अफगान और अमेरिकी सेना के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकियों के लड़ने के जज्बे को भी तालिबान नहीं भूला होगा। तो कुल मिलाकर जब तक भारत इस नई स्थिति का विश्लेषण करता है, तब तक तालिबान के सामने भी कई चुनौतियां हैं। उसे समझना होगा कि शासन कैसे करना है और जातीय रूप से बंटे देश को किस तरह एक करके रखा जाए।

खुदरा वितरण से पहले निजी क्षेत्र उत्पादन पर ध्यान देने दे

नंतू बनर्जी

देश ने ग्रामीण विद्युतीकरण के क्षेत्र में दो मील के पत्थर हासिल किए हैं - दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत 100 प्रतिशत गांव विद्युतीकरण और प्रधान मंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण - पूरी तरह से सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं के तहत। हालांकि, इन गरीब समर्थक योजनाओं ने शायद ही बिजली की मांग को बढ़ाया। हालांकि भारत चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक देश है, लेकिन प्रति व्यक्ति खपत के मामले में यह बहुत नीचे है। बिजली (संशोधन) विधेयक, 2021 की तैयारी के पीछे जो भी हो, पहल करने वालों ने एक साधारण तर्क को नजरअंदाज कर दिया है कि भारत को अपनी वितरण नीति को फिर से तैयार करने से पहले अपने लोगों के लिए पर्याप्त बिजली पैदा करने का प्रयास करना चाहिए। उपभोक्ताओं को बिजली की लागत का पहलू भी किसी भी नई बिजली नीति को तैयार करने में सांसदों का मार्गदर्शन करना चाहिए। जबकि बिल पहली बात को पहचानने में विफल है। उत्पादन क्षमता में तेजी से वृद्धि की आवश्यकता है, जबकि यह निजी भागीदारी के माध्यम से चयनात्मक वितरण से अधिक संबंधित है। ऐसा लगता है कि दस्तावेज़ को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है जो सामान्य रूप से बिजली जनरेटर से अधिक निजी वितरकों (डिस्कॉम) के एक चुनिंदा समूह को लाभान्वित करता है। आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार की खुद की स्वीकृति में, बिजली क्षमता वृद्धि में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी घट रही है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2019-20 में बिजली क्षेत्र में स्थापित उत्पादन क्षमता पूरी तरह से सरकार द्वारा संचालित थी, जबकि निजी क्षेत्र एक भी इकाई जोड़ने में विफल रहा।

तकनीकी रूप से, केंद्र सरकार बिजली उत्पादन और वितरण के संबंध में कोई भी कानून बनाने के लिए स्वतंत्र है क्योंकि यह क्षेत्र संविधान की समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है। हालांकि, गैर-भाजपा शासित राज्यों की एक अच्छी संख्या परेशान है। संविधान के तहत, किसी भी राज्य की विधायिका को समवर्ती सूची के तहत किसी भी मामले के संबंध में कानून बनाने की शक्ति भी है। कुछ राज्यों ने मांग की है कि विधेयक को संसद की प्रवर समिति के पास भेजा जाए। ऐसा प्रतीत होता है कि विधेयक को गलत तरीके से तैयार किया गया है क्योंकि विपक्षी राज्यों को बिजली उत्पादन और वितरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर लूप से बाहर रखा गया है।

भारत की प्रति व्यक्ति बिजली की खपत के अनुसार, किलोवाट घंटे के मामले में, देश राष्ट्रों के समुदाय में 13वें स्थान पर है। आज, भारत की जनसंख्या लगभग उतनी ही है जितनी कि चीन की। चीन में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत लगभग 5,000 यूनिट है जबकि भारत में 1,000 यूनिट से कम है। चीन अब तक दुनिया का सबसे बड़ा बिजली उत्पादक देश है, जो 2019 में कोयले और पनबिजली के माध्यम से अपनी बिजली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पैदा कर रहा है, जबकि भारत में यह केवल 1,559 है। बिजली की खपत में भी चीन दुनिया में सबसे ऊपर है, जो सालाना 6.3 ट्रिलियन किलोवाट ऊर्जा प्रति घंटे से अधिक का उपयोग करता है। देश दुनिया का सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और उपभोक्ता है। देर से ही सही, चीन ने आंशिक रूप से अपना ध्यान प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय स्रोतों पर स्थानांतरित कर दिया है। इस संदर्भ में, भारत में एक नए बिजली बिल का अत्यधिक स्वागत किया जाता अगर यह बिजली उत्पादन को एक बिग पुश देने की मांग करता और देश के सार्वजनिक क्षेत्र, राज्य क्षेत्र और निजी क्षेत्र के लिए उत्पादन लक्ष्य निर्धारित करता। बिजली की मांग बढ़ाने के लिए, बिल ग्रामीण, कृषि, घरेलू, निर्यात और सामान्य औद्योगिक उपयोगकर्ताओं सहित विभिन्न प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए अधिकतम खुदरा वितरण दरों के लिए लक्ष्य तय करके बिजली मूल्य निर्धारण पहलू से भी निपट सकता था। बिजली बिल उच्च खुदरा बिजली दरों को रोकने के लिए बहुत कम प्रदान करता है, विशेष रूप से निजी क्षेत्र की डिस्कॉम द्वारा, अडानी, रिलायंस इंफ्र ा, सीईएससी और टाटा के नेतृत्व में। भारत में उच्च खुदरा बिजली दरों का देश की कम उत्पादन लागत के साथ बहुत कम संबंध है। वास्तव में, भारत पूरे एशिया प्रशांत क्षेत्र में कोयले, सौर और पवन स्रोतों से बिजली का सबसे सस्ता उत्पादक है। यह इस क्षेत्र का एकमात्र देश है जहां सौर ऊर्जा की लागत ताप विद्युत की तुलना में लगभग 14 प्रतिशत कम है। फिर भी, भारतीय उपभोक्ताओं को मलेशिया, वियतनाम और चीन जैसे देशों सहित इस क्षेत्र में सबसे अधिक बिजली दरों का भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाता है। वैश्विक सलाहकार वुड मैकेंज़ी के अनुसार, भारत में जीवाश्म ईंधन से लगभग 44.5 डॉलर प्रति मेगावाट (3.05 रुपये प्रति यूनिट) की बिजली उत्पादन की लागत इस क्षेत्र में सबसे सस्ती है। चीन में, यह क्षेत्र के अन्य 12 देशों में 48.5 डॉलर प्रति मेगावाट (3.33 रुपये प्रति यूनिट) और ऑस्ट्रेलिया 50.9 डॉलर प्रति मेगावाट (3.49 रुपये प्रति यूनिट) है। सौर ऊर्जा के लिए भी यही है। भारत में, लागत लगभग 38.2 मेगावाट (2.62 रुपये प्रति यूनिट) होने का अनुमान है, जो सबसे कम है। ऑस्ट्रेलिया में यह 52.7 डॉलर प्रति मेगावाट (3.62 रुपये प्रति यूनिट) और चीन में 61.2 डॉलर प्रति मेगावाट (4.2 रुपये प्रति यूनिट) है। भारत की तटवर्ती पवन ऊर्जा उत्पादन की अनुमानित लागत 48.9 डॉलर प्रति मेगावाट (3.36 रुपये प्रति यूनिट) है, जो इस क्षेत्र में सबसे सस्ती है। अधिकांश श्रेय एनटीपीसी लिमिटेड के नेतृत्व में भारत की सरकार द्वारा नियंत्रित बिजली उत्पादन फर्मों को जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल, केरल और दिल्ली सहित अधिकांश विपक्षी राज्यों का मानना है कि इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य निजी क्षेत्र की डिस्कॉम को लाभ पहुंचाना है।

दिल्ली के ऑलराउंडर मनन शर्मा ने इंडियन क्रिकेट से लिया संन्यास

उन्मुक्त चंद की तरह अमेरिका की तरफ से खेलने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को 2012 में अंडर 19 वर्ल्ड कप जिताने वाले बल्लेबाज उन्मुक्त चंद के बाद दिल्ली के ऑलराउंडर मनन शर्मा ने इंडियन क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वो अब बेहतर संभावनाओं की तलाश में कैलिफोर्निया जाने को तैयार हैं। 30 साल के मनन शर्मा पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय शर्मा के बेटे हैं।

मनन शर्मा ने विराट कोहली, ऋषभ पंत और गौतम गंभीर के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है। वह अंडर-19 वर्ल्ड कप 2010 के दौरान भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। मनन शर्मा ने दिल्ली की तरफ से साल 2017 में डेब्यू किया था। उन्होंने 35 फर्स्ट क्लास मैचों में 27.45 की औसत से 1208 रन बनाए

हैं। इसमें एक सेंचुरी और 8 फिफ्टी शामिल हैं। उन्होंने 113 फर्स्ट क्लास विकेट भी लिए हैं। इसके अलावा मनन शर्मा ने 26 टी 20 मैचों में उन्होंने 6.07 की इकॉनमी रेट से 32 विकेट लिए हैं। साल 2016 में आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 10 लाख के बेस प्राइज पर खरीदा था। उन्मुक्त ने पिछले शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान करते हुए कहा था कि मुझे नहीं पता कि मुझे कैसा महसूस करना चाहिए क्योंकि मैं ईमानदारी से अभी भी इसका पता लगा रहा हूं।

अपने देश का फिर से प्रतिनिधित्व नहीं कर पाने का विचार सचमुच थोड़ी देर के लिए मेरे दिल की धड़कन को रोक देता है। व्यक्तिगत रूप से भारत में मेरी क्रिकेट यात्रा में कुछ शानदार पल रहे हैं। भारत के लिए अंडर-19 विश्व कप जीतना मेरे जीवन के सबसे बड़े क्षणों में से एक है। एक कप्तान के रूप में कप को उठाना और देश में लाना एक विशेष एहसास था। कई मौकों पर भारत-ए का नेतृत्व करना और विभिन्न द्विपक्षीय और त्रिकोणीय सीरीज जीतना मेरी यादों में हमेशा रहेगा।

पंजाब किंग्स की तरफ से खेलेंगे ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस, डेब्यू में हैट्रिक लगाकर मचाया था तहलका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के उभरते युवा तेज गेंदबाज नाथन एलिस को आईपीएल 2021 के दूसरे फेज के लिए टीम में शामिल किया है। एलिस को ऑस्ट्रेलिया की टी-20 वर्ल्ड कप टीम में भी बतौर बैकअप खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने डेब्यू मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक लेकर नाथन एलिस ने तहलका मचा दिया था। पंजाब किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के जाय रिचर्ड्सन और रिले मेरेडिथ को यूएई में खेले जाने वाले आईपीएल 14 के दूसरे चरण से बाहर कर दिया है।क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब किंग्स टीम के सीईओ सतीश मेनन ने क्रिकबज से नाथन एलिस को साइन करने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हम कल(18 अगस्त) तक जाय रिचर्ड्सन और रिले मेरेडिथ की फिटनेस को लेकर जानकारी नहीं थी। वे आईपीएल का हिस्सा नहीं हो सकते हैं, यह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद ही पता चला था। हमने एलिस को रिप्लेसमेंट प्लेयर के तौर पर साइन किया है। हम एक दो दिन में दूसरे रिप्लेसमेंट का ऐलान करेंगे।उन्होंने आगे कहा कि हम

कुछ खिलाड़ियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। हेड कोच अनिल कुंबले जल्द ही अंतिम रूप देंगे। 26 साल के नाथन एलिस ने हाल ही में ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी-20 सीरीज में अपने डेब्यू मैच में हैट्रिक ली थी। उन्होंने दो टी20 मैच में 5 विकेट लिए थे। एलिस ने पिछले साल बिग बैश लीग में अच्छे प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में प्रवेश किया। 20 लाख रुपये के बेस प्राइज के साथ एलिस इस साल की शुरुआत में आईपीएल नीलामी में नहीं बिकी थी।

मुंबई इंडियंस ने अबुधाबी में खेला पूल वालीबॉल, जमकर की मस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के शुरू होने में अब एक महीने से भी कम का समय बचा है। आईपीएल का पहला चरण भारत में खेला गया था और दूसरा चरण यूएई में खेला जाएगा। टीमें यूएई में पहुंच रही हैं। आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम मुंबई इंडियंस भी यूएई पहुंच चुकी है। हालांकि अभी टीम के साथ सीनियर खिलाड़ी नहीं जुड़े हैं। रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज खत्म होने के बाद जुड़ेंगे। कीरोन पोलार्ड और ट्रेंट बोल्ट जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी आने वाले हफ्ते में टीम के साथ जुड़ जाएंगे। आईपीएल शुरू होने से पहले मुंबई पलटन अबुधाबी में स्विमिंग पूल में वालीबॉल खेलती नजर आई। मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से मस्ती करते हुए इन खिलाड़ियों का वीडियो शेयर किया। वीडियो पोस्ट करते हुए मुंबई इंडियंस ने लिखा, 'क्वारंटाइन खत्म होने के बाद पूल वालीबॉल के खेल के लिए सीधे गोता लगाते हुए।' इस वीडियो में फैन्स को ईशान किशन और धवल कुलकर्णी जैसे खिलाड़ियों की एक झलक मिल गई। इन दोनों के अलावा कुछ भारत के घरेलू क्रिकेटर भी दिखाई दिए। बता दें कि आईपीएल 2021 के दूसरे चरण का पहला मैच 19 सितंबर को चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच दुबई में खेला जाएगा। मौजूदा आईपीएल चैंपियन मुंबई की नजर अपने छठे खिताब पर होगी। मौजूदा आईपीएल की बात करें तो फिलहाल अंक तालिका में मुंबई इंडियंस चौथे स्थान पर है। आईपीएल के दूसरे चरण में मुंबई अपने प्रदर्शन को सुधारना चाहेगी।

तिहरे शतक से चूकने के बाद जब मुरलीधरन से सहवाग ने कहा, मुझे राहुल की नहीं सुननी चाहिए थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग अपनी धुंआधार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे। सहवाग ने अपने क्रिकेट जीवन में कई विस्फोटक पारियां खेलीं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में दो तिहरे शतक जमाए हैं।

वीरू के पास 2009 में श्रीलंका के खिलाफ अपने करियर के तीसरे तिहरे शतक से मात्र 7 रन से चूक गए थे। इस टेस्ट मैच को लेकर महान श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने उस टेस्ट मैच और सहवाग की उस शानदार पारी को याद करते हुए कहा कि सहवाग ने उनसे कहा था कि उन्हें राहुल द्रविड़ की बात नहीं सुननी चाहिए थी और इसके बजाय अपना तिहरा शतक पूरा करने के लिए कोशिश करनी चाहिए थी।ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए इस महान स्पिनर ने कहा, 'मुझे याद है कि वे मुंबई में हमारे खिलाफ 290 रन पर बल्लेबाजी कर रहा था और मुझे लगता है कि द्रविड़ ने ही उन्हें रुकने के लिए कहा था कि वे अगले दिन 300 रन बना सकते हैं।

अगली सुबह उसने टैप करने की कोशिश की, लेकिन कॉट एंड बोल्ड हो गए।' उन्होंने मुझसे कहा, 'मुझे राहुल की कभी नहीं सुननी चाहिए थी और इसके के बजाय आउट हो गया। मुरली ने आगे कहा, 'सहवाग मेरी गेंदों को पढ़ और समझ सकते थे। वे कहते हैं कि वे मुझे नहीं समझते थे लेकिन मैं ये कह सकता हूं कि सहवाग मेरी गेंदों को दूसरे बल्लेबाजों की तुलना में अलग तरीके से खेलते थे। मैंने कई बार कहा है कि वे खतरनाक बल्लेबाज थे।

टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर विराट कोहली और बीसीसीआई के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप को दो महीने का समय बचा है। भारतीय टीम टी-20 वर्ल्ड कप की प्रबल दावेदारों में गिनी जा रही है।

इस समय भारतीय टीम का पूरा ध्यान अभी इंग्लैंड में मौजूदा टेस्ट सीरीज को जीतने पर लगा है लेकिन कप्तान विराट कोहली और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष अधिकारी आगामी टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर भी चर्चा कर रहे हैं। लाड्र्स में दूसरे टेस्ट मैच में जीत से कोहली पर से काफी दबाव कम हुआ है लेकिन वह जानते हैं कि कप्तानी में उनका भविष्य काफी हद तक संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में टीम के प्रदर्शन पर निर्भर है जहां भारतीय टीम को अपने अभियान की शुरुआत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करनी है। पता चला है कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दूसरे टेस्ट मैच के दौरान कप्तान के साथ औपचारिक बैठक की जिसमें टी-20 वर्ल्ड कप से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

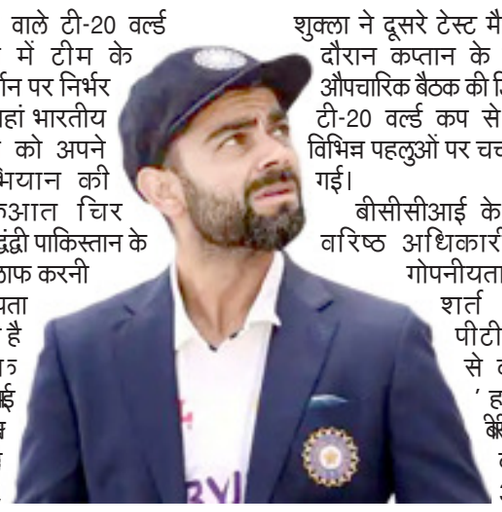

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'हां, बीसीसीआई अधिकारियों ने कोहली से मुलाकात की लेकिन उनके बीच बातचीत का ब्योरा देना उचित नहीं होगा।

लेकिन टी-20 वर्ल्ड कप में बहुत कम समय बचा है तथा भारत को आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) से पहले कोई मैच (सीमित ओवरों का) नहीं खेलना है, इसलिए यह चर्चा काफी हद तक इस प्रतियोगिता के लिये खाका तैयार करने से ही जुड़ी रही। भारत 14 सितंबर तक टेस्ट सीरीज में खेलेगा और इसके बाद खिलाड़ी आईपीएल में अपनी संबंधित फ्रेंचाइजी टीमों के साथ व्यस्त हो जाएंगे। ऐसे में अधिकारियों का कोहली से बात करना कोई आश्चर्यजनक नहीं है।

'उनके माता-पिता ने भी यह सोचा नहीं होगा', पूर्व इंग्लिश कप्तान ने बांधे मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह की तारीफों के पुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर रिकॉड्र्स तो आए दिन बनते हैं और तोड़ते हैं, लेकिन कुछ ऐसी यादगार पारियां होती हैं जिनको सालों तक याद किया जाता है। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह की पारी भी कुछ ऐसी ही थी। जिसने भी दोनों की बल्लेबाजी और साहस को देखा वो इनका फैन हो गया। लॉर्ड्स टेस्ट में मिली जीत के बाद बुमराह-शमी की इस साझेदारी की जमकर तारीफ हो रही है और सिर्फ भारतीय खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि इंग्लिश क्रिकेटर भी इस जोड़ी के मुरीद हो गए हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गॉवर ने शमी-बुमराह की बैटिंग की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि

खुद इन दोनों के माता-पिता ने नहीं सोचा होगा कि वह इस तरह की पारी खेलेंगे।

'क्रिकेट डॉट कॉम' के साथ बातचीत करते हुए पूर्व इंग्लिश कप्तान ने कहा, 'पूरी दुनिया पागल हो गई है। विश्व पूरी तरह से पागल हो गया है, जब आप देखते हैं कि मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह पांचवें दिन की सुबह में 89 रन जोड़ते हैं। कोई भी नहीं, यहां तक उनके पैरेंट्स और उनके करीबी फैमिली ने भी ऐसा नहीं सोचा होगा।' शमी-बुमराह ने दूसरे टेस्ट के आखिरी दिन 9वें विकेट के लिए 89 रनों की अटूट साझेदारी की थी जिसकी बदौलत भारत की टीम ने इंग्लैंड के सामने 272 रनों का लक्ष्य रखा था। शमी ने अपने टेस्ट करियर की दूसरी फिफ्टी जड़ी थी, जबकि बुमराह भी 34 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

जसप्रीत बुमराह ने बल्ले के बाद गेंद से भी कमाल दिखाया था और दूसरी पारी में कप्तान जो रूट समेत तीन इंग्लिश बल्लेबाजों को चलता किया था। वहीं, शमी ने भी डॉमनिक सिब्ले को पवेलियन की राह दिखाई थी। 272 रनों का पीछा करते हुए इंग्लैंड की पूरी टीम महज 120 रनों पर ढेर हो गई थी। टीम इंडिया की ओर से मोहम्मद सिराज ने अपनी गेंदबाजी से कहर बरपाते हुए दोनों ही पारियों में चार विकेट झटके थे। वहीं, ईशांत शर्मा ने भी मैच में 5 विकेट अपने नाम किए थे।

आकाश चोपड़ा ने बताया, केएल राहुल ने टेस्ट में ओपनर के रूप में कैसे की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे पर काफी शानदार प्रदर्शन कर रही है। पहला टेस्ट बारिश की वजह से ड्रॉ हो जाने के बाद भारत ने लॉर्ड्स में शानदार वापसी की और इंग्लैंड के 151 रन से हराने के बाद सीरीज में 1-0 के बढ़त बना ली है। इस सीरीज में भारत के सलाम बल्लेबाज केएल राहुल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। सीरीज शुरू होने से पहले शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल के चोटिल होने के बाद केएल राहुल को ओपनर के रूप में टीम में शामिल किया गया था। राहुल ने नॉटिंघम में खेले गए पहले टेस्ट में 84 रन की शानदार पारी खेली और इसके बाद लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में शानदार सैकड़ा जड़ा। उनके इस शानदार प्रदर्शन की हर तरफ चर्चा हो रही

है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने बताया है कि राहुल ने एक सलामी बल्लेबाज के रूप में कैसे वापसी की है। ईएसपीएन क्रिकइंफो पर अपने लेख में आकाश ने राहुल के वापसी पर लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में राहुल की वापसी शीर्षक्रम पर सफल होने की उनकी क्षमता के बारे में नहीं बताता-यदि आपके पास कौशल नहीं है तो आप पांच टेस्ट शतक (उनमें से चार घर से दूर) नहीं बनाते हैं। मेरे लिए यह सही काम करने की उत्सुकता के बारे में था। क्या वे उत्सुक थे या चिन्तित थे?' उन्होंने आगे कहा, 'अगर दौरे की उनकी पहली पारी, ट्रेंट ब्रिज में 84, ने दिखाया कि उन्हें नई गेंद के खिलाफ सपने कौशल पर भरोसा है, तो लॉर्ड्स में राहुल के शतक ने स्थापित किया कि वह वापस आ गए हैं।

इंग्लैंड की टी-20 विश्व कप की तैयारियों को लेकर बोले कप्तान इयोन मोर्गन, निरंतरता हमारी टीम का सबसे मजबूत पक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2016 टी-20 विश्व कप की रनअप रह चुकी इंग्लैंड टीम को इस बार यूएई और ओमान में खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में प्रबल दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले कुछ सालों में इंग्लिश टीम ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में जबरदस्त प्रदर्शन भी किया है। टीम के कप्तान इयोन मोर्गन का मानना है कि इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत उनकी निरंतरता है। उन्होंने कहा कि इंग्लिश टीम लगातार बेहतर होने की कोशिश कर रही है और अपनी गलतियों से सीख भी ले रही है। आईसीसी के साथ बातचीत करते हुए इयोन मोर्गन ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारी सबसे बड़ी मजबूती निरंतरता है जिससे हम पिछले दो सालों से खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि टी-20 क्रिकेट में खेल बड़ी तेजी से बदल सकता है और हमारे ग्रुप में काफी प्रतिभाशाली टीमें हैं, मुझे लगता है कि हमारे लिये हर मैच महत्वपूर्ण होगा। मुझे लगता है कि हम अच्छी लय हासिल कर रहे हैं और इसमें हमारे लिए सबसे अच्छी चीज है कि हम लगातार बेहतर होने की कोशिश कर रहे हैं और सीख भी रहे हैं।' 34 साल के कप्तान को लगता है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की परिस्थितियों के अनुसार ढलना उनके लिए अहम कारकों में से एक होगा, हालांकि टीम 2015 के बाद से वहां कोई टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेली है। सुपर 12 के ग्रुप एक में साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज शामिल हैं जिसमें दो टीमें क्वालीफायर राउंड 1 से जगह बनाएंगी।

मुथैया मुरलीधरन ने बताया, सचिन जगह किस भारतीय बल्लेबाज को गेंदबाजी करने से लगता था डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने खुलासा किया कि उन्हें किस बल्लेबाज को गेंदबाजी करने से डर लगता था। उन्होंने कहा कि उन्हें सचिन तेंदुलकर को गेंदबाजी करने में डर नहीं लगता था क्योंकि वह उन्हें वीरेंद्र सहवाग या ब्रायन लारा जैसा नुकसान नहीं पहुंचाते थे। इंटरनेशनल क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले मुरलीधरन ने कहा कि मौजूदा बल्लेबाजों में भारत के विराट कोहली और पाकिस्तान के बाबर आजम उनका बेहतर सामना कर सकते थे। मुरलीधरन ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो पर आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में कहा, 'सचिन के लिए गेंदबाजी करने में डर नहीं लगता था। क्योंकि वह आपको बहुत नुकसान नहीं पहुंचाते थे। वह सहवाग के विपरीत थे जो आपको आहत कर सकता है। वह (सचिन) अपना विकेट बचाए रखते थे। वह गेंद को अच्छी तरह से समझते थे और वह तकनीक जानते थे।' टेस्ट क्रिकेट में 800 विकेट लेने वाले गेंदबाज मुरलीधरन ने कहा, 'अपने करियर के दौरान मुझे लगा कि

ऑफ स्पिन सचिन की मामूली कमजोरी है। लेग स्पिन पर वह करारे शॉट जमाते थे लेकिन ऑफ स्पिन खेलने में उन्हें थोड़ी परेशानी होती थी क्योंकि मैंने उन्हें कई बार आउट किया। इसके अलावा कई ऑफ स्पिनरों ने उन्हें कई बार आउट किया। मैंने इसे देखा है।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं नहीं जानता। मैंने कभी उनसे इस बारे में बात नहीं की कि आप ऑफ स्पिन खेलने में सहज महसूस क्यों नहीं करते। मुझे लगता कि उनकी थोड़ी कमजोरी है और इसलिए अन्य खिलाड़ियों की तुलना में मैं थोड़ा फायदे में रहा। सचिन को हालांकि आउट करना आसान नहीं था।' मुरलीधरन ने वनडे में भी 530 विकेट लिए। उन्होंने अपने करियर में तेंदुलकर को 13 बार आउट किया। उन्होंने सहवाग और लारा की भी प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने अपने करियर में जिन बल्लेबाजों के लिए गेंदबाजी की उनमें ये दोनों सबसे खतरनाक थे। तिहरे शतक से चूकने के बाद जब मुरलीधरन से सहवाग ने कहा, मुझे राहुल की नहीं सुननी चाहिए थी मुरलीधरन ने कहा, 'सहवाग बेहद खतरनाक था। उनके लिए हम सीमा रेखा के पास फील्डर लगाकर रखते थे क्योंकि हम जानते थे कि वह लंबे शॉट खेलने के लिए मौका देखेगा। वह जानता था कि जब उसका दिन होगा तो वह किसी पर भी आक्रमण कर सकता है। फिर हम डिफेंसिव फील्डिंग लगाकर क्या करते।' मौजूदा समय के खिलाड़ियों के बारे में उन्होंने कहा, 'कोहली स्पिन का अच्छा खिलाड़ी है विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में। बाबर आजम भी अच्छा बल्लेबाज लगता है।

एक सितम्बर को आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में हिस्सा लेने के लिए यूएई रवाना होगी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे फेज में हिस्सा लेने के लिए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 1 सितंबर को यूएई के लिए रवाना होगी। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स की टीम पहले ही यूएई पहुंच चुकी हैं और महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में सीएसके का ट्रेनिंग कैंप दुबई में शुरू हो चुका है।

टूर्नामेंट के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नई से 19 सितंबर को होना है। कई खिलाड़ियों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद आईपीएल 2021 को बीसीसीआई ने बीच में ही स्थगित करने का फैसला किया था। सनराइजर्स हैदराबाद टीम के विकेटकीपर श्रीवत्स गोस्वामी ने स्पोर्ट्सकीड़ा के साथ बातचीत करते हुए बताया कि हैदराबाद की टीम 1 सितंबर को यूएई के लिए भारत से रवाना होगी। हैदराबाद की टीम का प्रदर्शन इस सीजन बेहद निराशाजनक रहा था और टीम को 7 मैचों में महज एक जीत नसीब हुई थी, जबकि 6 मैचों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। लगातार हार के चलते टीम मैनेजमेंट ने डेविड वॉर्नर को कप्तानी से हटाकर केन विलियमसन को टीम की कमान भी सौंप दी थी। सनराइजर्स हैदराबाद टीम के सभी खिलाड़ियों को 31 अगस्त को मुंबई में एकत्रित होने को कहा गया है।

पार्टी से पहले लोकतंत्र की सोचो, 2024 है टारगेट, सोनिया गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शुक्रवार को विपक्षी दलों से 2024 के लोकसभा के चुनाव के लिए एकजुट होने आह्वान किया और कहा कि देश के संवैधानिक प्रावधानों और स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों में विश्वास रखने वाली सरकार के गठन के लिए विपक्ष की पार्टियों को अपनी विवशताओं से ऊपर उठना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस समय विपक्षी दलों की एकजुटता राष्ट्रहित की मांग है और कांग्रेस अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेगी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने भी विपक्षी दलों का आह्वान किया कि देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बचाने के लिए सभी को साथ मिलकर काम करना चाहिए।

सोनिया ने कांग्रेस समेत 19 विपक्षी दलों के नेताओं की डिजिटल बैठक में संसद के हालिया मॉनसून सत्र के दौरान दिखी विपक्षी एकजुटता का उल्लेख किया और कहा, मुझे भरोसा है कि यह विपक्षी एकजुटता संसद के आगे के सत्रों में भी बनी रहेगी। लेकिन व्यापक राजनीतिक लड़ाई संसद से बाहर लड़ी जानी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, निश्चित तौर पर (हमारा) लक्ष्य 2024 का लोकसभा चुनाव है। हमें देश को एक ऐसी सरकार देने के उद्देश्य के साथ व्यवस्थिति ढंग से योजना बनाने की शुरुआत करनी है कि जो स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों और संविधान के सिद्धांतों और प्रावधानों में विश्वास करती हो। उन्होंने विपक्षी दलों का आह्वान किया, यह एक चुनौती है, लेकिन हम साथ मिलकर इससे पार पा सकते हैं और अवश्य पाएंगे क्योंकि मिलकर काम करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। हम सभी की अपनी मजबूरियां हैं, लेकिन अब समय आ गया है जब राष्ट्र हित यह मांग करता है कि हम इन विवशताओं से ऊपर उठें।

सोनिया कहा, देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ अपने व्यक्तिगत और सामूहिक संकल्प पर फिर जोर देने का सबसे उचित अवसर है। मैं यह कहूंगी कि कांग्रेस की तरफ से कोई कमी नहीं रहेगी। बैठक में भाग लेने वाले एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने ट्वीट किया, सोनिया गांधी जी की पहल पर आज समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों की बैठक संपन्न हुई। वर्चुअल रूप से आयोजित की गई इस बैठक में सम्मिलित होकर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, वर्तमान सरकार इन सभी मुद्दों को हल करने में विफल रही है। जो लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करते हैं, जो लोग हमारे देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बचाने के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं, उन्हें एक साथ आना चाहिए, ऐसा मेरा आह्वान है। पवार ने कहा, एक समयबद्ध कार्यक्रम को सामूहिक रूप से शुरू करने की आवश्यकता है। मैं ये सुझाव देता हूं कि इन सभी मुद्दों से एक साथ निपटने के बजाय, हमें प्राथमिकता तय कर के सामूहिक रूप से इन मुद्दों को सुलझाने के लिए और अपने देश को एक अच्छा वर्तमान और भविष्य देने के लिए कार्य करना चाहिए।

आदिवासी महिलाओं संग नाचते दिखे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मिनिस्टर बनने के बाद निकाल रहे आशीर्वाद यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जन आशीर्वाद यात्रा पर हैं। शुक्रवार को रेलमंत्री ओडिशा के एक गांव में डांस करते नजर आए। शुक्रवार को पायाकुट गांव में डांस करते रेल मंत्री का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में रेलमंत्री गांव के आदिवासी समुदाय के लोगों के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कुछ महिलाएं भी रेल मंत्री के साथ पारंपरिक नृत्य करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को रेल मंत्री ने खुद अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए रेलमंत्री ने लिखा कि ओडिशा के पायकुट गांव में स्थानीय फोक डांसरों के साथ डांस करने की कोशिश करते हुए। केंद्रीय मंत्री के ऑफिस की तरफ से जो जानकारी दी गई है उसें कहा गया है कि रेलमंत्री रायगढ़ा जिले के पायाकुट गांव से होकर गुजर रहे थे तब पारंपरिक कपड़े पहने कुछ लड़कों ने हाथ हिलाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान वो रुक गए और उन्होंने उनके साथ डांस किया। कुछ लोगों ने उनकी तस्वीर

भी खींची। इससे पहले गुरुवार को रेलमंत्री ने ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों से अचानक मुलाकात कर उन्हें चकित कर दिया था। भुवनेश्वर से रायगढ़ा जाने वाली ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों से रात के वक्त अचानक रेलमंत्री मिलने पहुंच गये थे। वो एक कोच से दूसरे कोच तक गये और सफर कर रहे लोगों से ट्रेन में दी जा रही सुविधा और साफ-सफाई के बारे में फीडबैक लिया।

जो तस्वीर और वीडियो सामने आये हैं उसमें नजर आ रहा है कि रेलमंत्री यात्रियों से ओडिया में बात कर रहे हैं और उनसे जानकारियां ले रहे हैं। एक वीडियो में नजर आ रहा है कि रेलमंत्री ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री से पूछते हैं कि वो कहां नौकरी करते हैं और फिर इसके बाद वो यात्री से यह भी पूछते हैं कि ट्रेन में साफ-सफाई कैसी है। इसपर यात्री कहता है कि वो सरकारी नौकरी करते हैं और ट्रेन में साफ-सफाई ठीक है। एक अन्य वीडियो में रेलमंत्री कुछ अन्य यात्रियों से बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। रेलमंत्री यात्रियों से कहते हैं कि प्रधानमंत्री ने ओडिशा से रेलमंत्री दिया। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री के पास नजरिया है।

ईरान पर बरसा इजरायल का कहर, सीरिया में हमला कर उसके समर्थक 4 लड़ाकों को मारा

बेरुत (एजेंसी)। इजरायल द्वारा सीरिया पर किए गए हवाई हमले में ईरान समर्थक चार लड़ाकों की मौत हो गई है। यह ईरान समर्थक लड़ाके दमिश्क इलाके से ताल्लुक रखते हैं। सीरिया की सरकारी मीडिया के मुताबिक राजधानी दमिश्क पर कुछ लोगों को टारगेट बनाया गया है। इसमें

कहा गया है कि इजरायली दुश्मन ने हवाई हमले किए हैं। इस दौरान दमिश्क के साथ-साथ होम्स शहर में कुछ जगहों को निशाना बनाया गया। सरकारी समाचार एजेंसी साना ने मिलिट्री सूत्रों के हवाले यह जानकारी दी। सीरिया की मानवाधिकार संस्था ने कहा कि हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने हवाई हमलों का सही ढंग से जवाब दिया और कई मिसाइलों को मार गिराया। इसके मुताबिक इजरायली मिसाइलो का निशाना आर्म्स डिपो और मिलिट्री की पोजीशन थी। इसमें लेबनानी शिया मूवमेंट हिजबुल्ला, क्वैरा, दमिश्क और होम्स प्रांत और लेबनान की सीमा को निशाना बनाया गया है। इस हमले में ईरान समर्थक चार लड़ाकों की मौत हो गई। हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि यह लड़ाके सीरियाई थी लेबनानद्ध

वहीं लेबनानी मीडिया ने भी ऐसी खबरें दी हैं कि दो मिसाइलें कैलामाउन इलाके में गिरी हैं। वहीं इजरायली सेना सीरिया किए गए हवाई हमलों की बहुत कम ही जिम्मेदारी लेती है। इजरायली आर्मी के प्रवक्ता ने कहा कि वह विदेशी मीडिया से मिली सूचनाओं पर टिप्पणी नहीं करेंगे। गौरतलब है कि करीब 10 साल पहले सीरिया में युद्ध की शुरुआत होने के बाद से इजरायल ने सीरियाई क्षेत्रों पर सैकड़ों हवाई हमले किए हैं। इस दौरान विभिन्न पोजीशंस के साथ-साथ संयुक्त ईरानी फोर्स और हिजबुल्ला के सदस्यों को निशाना बनाया गया है।

गवर्नर जगदीप धनखड़ का फिर ममता सरकार पर निशाना, बोले-

लोकतंत्र के खिलाफ है हिंसा, चुनाव के बाद मचा था उपद्रव

पुणे (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को युवाओं से मानवाधिकारों के रक्षा की अपील करते हुए कहा कि हिंसा लोकतंत्र के खिलाफ है। स्वातंत्र्यवीर सावरकर स्मृति अभिनव भारत व्यासपीठ के चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन करेत हुए धनखड़ ने कहा, पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा की पीड़ा देखकर, जिस हत तक इसकी भयावहता का प्रसार हुआ,, मैं अपको बता सकता हूं कि हिंसा लोकतंत्र का दुश्मन है। पुणे में नावलमल फिरोदिया लॉ कॉलेज की ओर से इस चार दिवसीय लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया है। राज्यपाल ने आगे कहा कि हिंसा का सभ्य समाज और

हमारी संस्कृति में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ हिस्सों में हिंसा ने क्रूर रूप ले लिया है और चुनाव के बाद की हिंसा इस हद तक है। राज्यपाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, मैं युवाओं से यह सुनिश्चत करने की अपील करता हूं कि समाज हिंसा मुक्ति करें। युवाओं को इसके लिए फ्रंट फुट पर खेलना होगा और वे ऐसा करने के लिए काफी उपयुक्त हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नागरिकों के मानवाधिकार की रक्षा के बिना लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं है। धनखड़ ने कहा, मानवाधिकार सबसे मूलभूत अधिकार है। कुछ इलाके हैं जहां मानवाधिकारों का हनन हो रहा है।

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि युवा उनकी सलाह मानेंगे। उन्होंने कहा, केवल युवा ही उन लोगों के खिलाफ खड़े हो सकते हैं, जो हिंसा फैला रहे हैं और हमारी उपलब्धियों को नीचा कर रहे हैं। मैं उनसे मानवाधिकारों की रक्षा की अपील करता हूं। मुझे उम्मीद है कि युवा मेरी अपील को सुनेंगे। राज्यपाल ने ये बातें ऐसे समय पर कही हैं जब एक दिन पहले ही कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है।

तालिबान का असरः तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान नेता ने कहा- हमारा लक्ष्य पाकिस्तान में शरिया शासन लाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो चुका है। दुनिया के कई देश और डिफेंस एक्सपर्ट्स लगातार यह कहते रहे हैं कि तालिबान को पाकिस्तान का सहयोग मिलता रहा है।

अफगानिस्तान सरकार ने भी कई बार कहा है कि पाकिस्तान, तालिबान के जरिए अफगानिस्तान से लड़ रहा है। कई एक्सपर्ट्स ने पाकिस्तान को कई बार सलाह दी है कि तालिबान को समर्थन करने से पाकिस्तान को भी भविष्य में नुकसान संभव है। लेकिन पाकिस्तान तालिबान को सपोर्ट करने के आरोप को सिरे से खारिज करता रहा है। आधिकारिक बयानों में पाकिस्तान का कहना है कि वह अफगानिस्तान में शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है लेकिन अगर दुनिया में कहीं तालिबान की जीत का स्वागत हुआ है तो वह पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद ही है। पाकिस्तान के पीएम इमरान खान ने गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने के लिए अफगानों की तारीफ की है। अब तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ऊऊझ) के नेता मौलवी फकीर मुहम्मद ने तालिबान के इस्लामिक अमीरात के प्रति निष्ठा दिखाई है।

दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी से मौतों की जांच नहीं, एलजी ने कमेटी बनाने की मांग वाली फाइल फिर लौटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राजधानी में ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौतों के मामले की जांच के लिए कमेटी बनाने की मंजूरी के लिए दिल्ली सरकार की ओर से भेजी गई फाइल को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने शुक्रवार को नामंजूर कर दिया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कहा कि उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राजधानी में ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई मौतों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने के दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को फिर से खारिज कर दिया है, जबकि बिना जांच के ये बता पाना संभव नहीं है।सिसोदिया ने शुक्रवार को ऑनलाइन संवाददाता

सम्मेलन में कहा कि कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता है कि दिल्ली में अप्रैल और मई में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन संकट का सामना करना पड़ा था और ना ही इस बात से इनकार किया जा सकता कि राजधानी मे लोगों की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई मौतों की जांच को लेकर एक कमेटी के गठन के लिए एक फाइल फिर से भेजी थी। उपराज्यपाल कह रहे हैं कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ केंद्र राज्यों से पूछ रहा है कि ऑक्सीजन की कमी से कितने लोगों की मौत हुई और दूसरी तरफ, आप हमें ऐसी मौतों की जांच नहीं करने दे रहे हैं। सिसोदिया ने सवाल किया, ऐसे में राज्य कैसे सूचना दे पाएंगे? उन्होंने कहा कि यानी केंद्र चाहता है कि हम लिखित में दें कि ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं हुई है। यह बहुत बड़ा झूठ होगा। सिसोदिया ने दावा किया कि अप्रैल और मई में मेडिकल ऑक्सीजन के कुप्रबंधन के लिए केंद्र जिम्मेदार था और यह जानबूझकर किया गया था या गलती थी, यह जांच का विषय है। सिसोदिया ने कहा कि केंद्र को यह स्वीकार करना होगा कि वह ऑक्सीजन संकट के लिए जिम्मेदार है। उपमुख्यमंत्री ने पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखा था कि जांच के बिना यह पता लगाना मुश्किल है कि क्या कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत हुई थी और दिल्ली सरकार विशेषज्ञ कमेटी के गठन के लिए उपराज्यपाल से नए सिरे से मंजूरी मांग रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और अदालतें ऑक्सीजन की कमी के कारण होने वाली मौतों की संख्या जानना चाहती हैं, लेकिन दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण मरने वालों की सही संख्या का पता लगाना संभव नहीं है।

राबड़ी आवास पहुंचे तेजप्रताप, तेजस्वी से मुलाकात नहीं होने पर भड़के, कहा- दो भाईयों के बीच आ रहे संजय यादव

पटना (एजेंसी)। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और तेजप्रताप यादव के बीच का घमासान अब लालू परिवार के घर के भीतर तक पहुंच गया है। एक ओर तेजप्रताप जगदानंद सिंह पर खुल कर हमला कर रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हम हैं तो सब ठीक हो जायेगा। इस बीच शुक्रवार को तेजप्रताप राबड़ी आवास पहुंचे। तेजप्रताप ने तेजस्वी यादव के बेहद करीबी संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाए। राबड़ी आवास के बाहर तेजप्रताप ने मीडिया से कहा कि हम दोनों भाइयों के बीच बातचीत हो रही थी। इसी बीच संजय यादव आ गए और तेजस्वी यादव को लेकर चले गए। उन्होंने कहा की संजय यादव हमको रोकने वाले कौन हैं। उन्होंने हम दोनों भाइयों के बीच चल

रही बातबीच को बीच में ही रोक दिया। तेजप्रताप ने कहा कि संजय यादव ना तो तेजस्वी से मिलने दे रहे हैं और न ही बात करने दे रहे हैं। वहीं तेजप्रताप यादव ने कहा कि हम अपनी बात पर अभी भी कायम हैं। जो हमने ठाना है, उसे पूरा करके रहेंगे। तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाना है। तेजप्रताप ने कहा कि शनिवार से हम राजद के प्रदेश कार्यालय में बैठकर जनता दरबार लगायेंगे।प्रदेश राजद अध्यक्ष जगदानंद सिंह से नाराज तेजप्रताप ने कहा कि उन्हें (प्रदेश अध्यक्ष) जाकर मेरे पिता (लालू प्रसाद) से पूछना चाहिए कि कौन हूं मैं।

उत्तर कोरिया इलाके में विदेशी युद्धपोतों से क्यों परेशान

डॉयचे वेले,दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया और अमेरिका इस महीने संयुक्त अभ्यास कर रहे हैं और जल्द ही एक ब्रिटिश युद्धपोत बुसान पहुंच रहा है. साथ ही

अंतरराष्ट्रीय समुदाय प्योंगयांग पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का पालन करने का दबाव डाल रहा है.दक्षिण कोरिया और अमेरिका इस महीने संयुक्त युद्ध अभ्यास शुरू कर रहे हैं और ब्रिटेन की रॉयल नेवी का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत दक्षिण कोरियाई बंदरगाह बुसान में इस महीने के अंत तक पहुंच रहा है. इस कदम को उत्तर कोरिया ने क्षेत्र में शांति को खतरा बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है. दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने उत्तर कोरिया को समझाने की कोशिश की कि यह कार्रवाई सिर्फ रक्षात्मक तरह की है और कोरियाई प्रायद्वीप को परमाणु हथियारविहीन करने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए उससे भी बातचीत के दरवाजे खुले हैं. लेकिन लगता है कि उत्तर कोरिया इन बातों से सहमत नहीं है. दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चुंग युई योंग ने उत्तर कोरिया से कहा कि वो इस महीने की शुरुआत में सीमाओं की किलेबंदी को खोलने संबंधी फैसले पर अमल करे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

इस्राएल में क्यों बढ़ रहे हैं कोविड के मामले

डॉयचे वेले,दिल्ली (एजेंसी)। देश की 60 फीसदी आबादी को कोविड-रोधी टीके की दोनों डोज लग जाने के बाद इस्राएल में जीवन पटरी पर लौट आया था. लेकिन इधर संक्रमण फिर से बढ़ने लगा है।

ऐसा कैसे हुआ? क्या वैक्सीन की तीसरी खुराक से मदद मिलेगी?मार्च में इस्राएल को लगता था कि कोविड-19 से उसका पीछा छूटा. देश की 90 लाख से ज्यादा की आबादी का आधा से अधिक हिस्से को कोरोना के दोनों टीके लग चुके थे. ये आबादी का करीब 60 फीसदी हिस्सा है और संख्या बढ़ ही रही है. इस लिहाज से जर्मनी बड़े पैमाने पर पीछे था. मध्य मार्च तक उसकी आठ करोड़ 30 लाख की आबादी के सिर्फ 3.7 प्रतिशत हिस्से को ही दोनों खुराक मिली थीं. पहली खुराक पाने वाले 50 प्रतिशत से अधिक और दूसरी भी ले चुके 50 प्रतिशत से कम लोग हैं. इस्राएल आगे था. कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया कि फेस मास्क

सार्वजनिक स्थानों से पूरी तरह गायब हो चुके थे और जीवन 'सामान्य रूप से' बहाल हो चुका था. लेकिन लौट आया कोविड चार महीने भी नहीं गुजरे कि हालात पलटी खा चुके हैं. कुछ देश आगाह कर रहे हैं कि इस्राएल, यात्रियों के लिए हाई-रिस्क ठिकाना है. मध्य जुलाई से वहां कोविड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. सरकार का कहना है कि वे मामले ज्यादातर उन बच्चों में हैं जिन्हें टीके नहीं लगे हैं, लेकिन कुछ मामले ब्रेकथ्रू इंफेक्शन के भी हैं यानी टीके की दोनों डोज लग जाने के बाद भी लोग संक्रमित हुए हैं. इस्राएल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ अध्ययनों के हवाले से दावा किया है कि वैक्सीन से मिलने वाली हिफाजत कुछ समय बाद कम होने लगती है, खासकर कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ. इसीलिए इस्राएल अब लोगों मे एंटीबॉडीज को मजबूत बनाने और बीमारी के खिलाफ लड़ पाने की क्षमता बढ़ाने के लिए, वैक्सीन की तीसरी डोज पर जोर दे रहा है. ये अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है.

अगस्त की शुरुआत से दसियों हजार लोगों को बूस्टर डोज लगाई जा चुकी है. हर रोज कोविड-19 के पुख्ता मामले (सात दिन की औसत के हिसाब से) 16 जुलाई के आसपास बढ़ने शुरू हुए थे. उस वक्त रोजाना इंफेक्शन की दर सिर्फ 19.29 थी. 16 अगस्त तक औसतन हर रोज 5950.43 संक्रमण होने लगा था. मई, जून और जुलाई के बीच देश में हर रोज औसतन शून्य मौत की दर थी. इसका मतलब ये नहीं है कि मौतें बिल्कुल भी नहीं हुईं, लेकिन औसत में उनका आंकड़ा कहीं ठहरता नहीं था. तस्वीरेंः कोविड के खिलाफ कुछ कामयाबियां 15 अगस्त तक, इस्राएल में कोविड से मौत के दो मामले रोजाना आने लगे थे. उसके बाद एक दिन में पांच मौतें भी हुईं. दूसरे देशों की संख्या से इस आंकड़े की तुलना भी आसानी से की जा सकी है और संक्रमण और मौत की ऊंची और निचली दरें भी हैं, लेकिन फिलहाल इस्राएल पर ध्यान केंद्रित करते हैं. मामले क्यों बढ़ रहे हैं? शायद इसकी एक वजह कोराना वायरस का डेल्टा वेरिएंट भी हो सकता है. इस्राएल में डेल्टा वायरस की प्रमुखता के बारे में डाटा सार्वजनिक करने में कुछ हिचक रही है।